बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 212 | शुक्रवार 22 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

राजनाथ सिंह ने विश्व को दिया शांति का संदेश

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए गुरुवार को कहा कि विश्व को जारी युद्धों और अंतरराष्ट्रीय क्रम की चुनौतियों के समाधान के लिए बुद्ध के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत ने हमेशा से बातचीत का रास्ता अपनाया है और इसकी वकालत भी करता है।लाओस दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक और (एडीएमएम प्लस) में चीन के डोंग जून समेत अपने समकक्षों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व का तेजी से विभिन्न क्षेत्रों और खेमों में ध्रुवीकरण हो रहा है। इससे

स्थापित वर्ल्ड आर्डर में तनाव पैदा हो रहा है। दस देशों का आसियान सम्मेलन लाओस की राजधानी वियनतियाने में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदस्य देशों से आग्रह किया कि हम सभी को भगवान बुद्ध के शांति और सहअस्तित्व के सिद्धांत को और गहराई से अपनाना चाहिए।

राहुल गांधी ने जो बाइडन के याद्दाश्त पर की थी टिप्पणी।

डॉक्टरों के एक संगठन ने पत्र लिखकर सोनिया गांधी से की शिकायत।

नई दिल्ली। मेडिकल प्रैक्टिशनर्स के एक संगठन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। वे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉगनेटिव एबिल्टीज) पर उनकी कथित टिप्पणियों से चिंतित हैं, जो कि उनके मुताबिक काफी असंवेदनशील है। 54 वर्षीय कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यह टिप्पणियां 16 नवंबर को महाराष्ट्र के अमरावती में एक रैली के दौरान की थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की याद्दाश्त की तुलना अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से की थी। नेशनल मेडिकोज

ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ-भारत) के अखिल भारतीय अध्यक्ष सीबी त्रिपाठी ने राहुल गांधी की मां और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में राहुल गांधी से अपनी टिप्पणियों पर विचार करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से उम्र बढ़ने और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य के बारे में हानिकारक रुढ़िवादिता को बढ़ावा मिल सकता है। यह टिप्पणी न केवल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए, बल्कि भारत में कई वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अपमानजनक थी, जो स्वास्थ्य चुनौतियों के बावजूद महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस तरह की टिप्पणियां भारतीय मूल्यों के विपरीत हैं, जो बुजुर्गों के सम्मान देने पर जोर देता है।उनका कहना है कि ये टिप्पणियां विपक्ष के नेता की समझ और संवेदनशीलता की कमी को दशार्ती हैं। त्रिपाठी ने सोनिया गांधी को स्वास्थ्य संबंधी अफवाहों और गलत सूचनाओं के साथ अपने खुद के अनुभवों की याद दिलाई। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें समझना चाहिए कि ऐसी बातें लोगों और समाज के लिए कितनी हानिकारक हो सकती हैं।

[सुविचार]

सुविचार

अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी घुसपैठ का मामला: जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में एनआईए ने की ताबड़तोड़ छापेमारी

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह जम्मू के कई इलाकों में बड़ी छापेमारी की। यह छापे एक नए दर्ज मामले से संबंधित हैं, जिसमें पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ का आरोप लगाया गया है। पिछले दिनों घाटी में कई आतंकी घटनाएं हुई हैं। जिसके बाद आतंकियों के खिलाफ सुरक्षबालों का एक्शन भी तेज हो चुका है।एनआईए की इस कार्रवाई को आतंकियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रुप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से एनआईए के अधिकारी कई स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। इससे पहले, एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी।एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

मणिपुर में हिंसा रोकने आठ कंपनियां पहुंची, संवेदनशील इलाकों में होंगी तैनाती

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 8 कंपनियां इंफाल पहुंच गई हैं। जिन्हें संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को सीएपीएफ की 11 कंपनियों का एक और जत्था इंफाल पहुंचा।अधिकारी ने कहा कि सीआरपीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चार-चार कंपनियां राज्य के संवेदनशील और सीमांत इलाकों में तैनात की जाएंगी। सीआरपीएफ की कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। केंद्र ने घोषणा की है कि मणिपुर में सीएपीएफ की 50 नई कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य में हिंसा बढ़ गई है और पिछले सप्ताह पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और बीजेपी कार्यालयों में तोड़फोड़ भी की गई थी। सुरक्षा बलों ने विगत दिवस मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के पैतृक निवास पर हमला करने की आंदोलनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया था।हिंसा तब और भड़क गई जब 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी-जो उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद जिरीबाम जिले में एक राहत शिविर से मेइती समुदाय की तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए। इस मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए थे।पिछले कुछ दिनों में इन छह लापता लोगों के शव बरामद किए गए हैं। पिछले साल मई से इम्फाल घाटी स्थित मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

बिहार के आश्रय गृह में मौत का मामला, एनएचआरसी ने नीतीश सरकार को जारी किया नोटिस

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में एक आश्रय गृह में खाद्य विषाक्तता की घटना की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्वत¬ संज्ञान शुरू किया है। 7-11 नवंबर, 2024 के बीच हुई इस घटना ने मानसिक स्वास्थ्य और बेघर महिलाओं की सुविधा में 13 महिला कैदियों को प्रभावित किया। दुखद रूप से, तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि अन्य में रात का खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण विकसित हुए।

प्रभावित लोगों को जल्द ही इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में स्थानांतरित कर दिया गया। घटना के मद्देनजर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित आवास अब कथित तौर पर जांच के दायरे में है। एनएचआरसी ने इस मामले से उजागर हुए संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि, कानूनी संरक्षक के रूप में, शरण अधिकारी अपनी देखभाल के तहत कैदियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं। परिषद ने इस घटना को एक गंभीर मामला बताया जिस पर

तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के मद्देनजर एनएचआरसी ने बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है. ÷रिपोर्ट में पीड़ितों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है या नहीं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिहार सरकार द्वारा उठाए गए उपाय शामिल होने चाहिए।÷ 14 नवंबर, 2024 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आश्रय गृह के निरीक्षण से पता चला कि कैदी अस्वच्छ परिस्थितियों में रह रहे थे। इसके अलावा, सुविधा में भोजन तैयार करने की प्रक्रिया उचित स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में अपर्याप्त पाई गई, जिसने भोजन विषाक्तता में योगदान दिया हो सकता है।

उमर अब्दुल्ला ने किया पूंछ का दौरा, कहा- 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डाक बंगले में पुंछ में विकास परियोजनाओं पर 21 सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए आज हम पुंछ आए थे। जम्मू में ये पहला जिला है जहां हमने विकास के हवाले से अधिकारियों की बात सुनी है। यहां लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अफसरों से बातचीत हुई, कुछ मुद्दों के लिए वहीं उन्हें जवाबदेह बनाया गया। हमारा फर्ज है कि हम लोगों के साथ तालमेल बनाए रखें। आज लगभग 24 अलग-अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला और यहां जो भी कमियां हैं उसके लिए हिदायत दी गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया।

अब्दुल्ला ने चट्ठा स्थित शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जम्मू के प्रति चिंता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने दरबार मूव के महत्व पर भी जोर दिया और उसे एक ऐसी परंपरा बताया जो दोनों क्षेत्रों के बीच एकता और सद्भाव को बढ़ावा देती थी। इसके तहत सरकार श्रीनगर और जम्मू से छह-छह महीने तक काम करती थी।

प्रदूषण का कहर: यूपी, हरियाणा, राजस्थान में सैकड़ों स्कूलों में छुट्टी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राकृतिक आपदाओं के अलावा अब मानव निर्मित आपदा(प्रदूषण) ने कहर बरपाना शुरु कर दिया है। यूपी, हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में सांस लेना मुश्किल हो गया है। दिल्ली के स्कूल और यूनिवर्सिटी बंद कर दिए गए। यहां पर 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी। इसी तरह यूपी के 6 जिलों में भी वायु प्रदूषण के कारण स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि जिलों के 12वीं तक के स्कूल पहले ही बंद करने के आदेश दिए गए थे। अब वायु प्रदूषण के कारण उत्तर प्रदेश के हापुड़, बुलंदशहर, बागपत आदि जिलों के भी स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। यहां भी प्रशासन ने एहतियातन इंटरमीडिएट तक के स्कूल और कॉलेज आगामी आदेश तक बंद रखने को कहा है।

उत्तर प्रदेश के इन जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) काफी बढ़ गया है। गाजियाबाद में एक्यूआई 367, मेरठ का 248, बुलंदशहर का 322, और बागपत का 187 है, जबकि सबसे अधिक एक्यूआई हापुड़ का है। यहां यह इंडेक्स 519 तक पहुंच गया है, जिसके कारण यहां के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि जिलों के स्कूल तो पहले ही बंद रखने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके अलावा भी कई जिलों में स्कूलों को बंद रखने के आदेश हैं। हरियाणा के रेवाड़ी के जिलाधिकारी अभिषेक मीणा ने प्रदूषण के कारण 12वीं तक की कक्षाएं न लगाने के आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूल 23 नवंबर तक बंद रहेंगे। भिवानी जिले के डीसी महाबीर कौशिक ने 12वीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यहां पर आगामी आदेशों तक स्कूल बंद रहेंगे और ऑनलाइन क्लासेज चलाई जाएंगी। चरखी दादरी जिले के स्कूलों को भी बढ़ते प्रदूषण के कारण 23 नवंबर तक बंद रखने के निर्देश हैं। जिलाधीश मुनीष शर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान में पहली बार प्रदूषण के कारण स्कूल बंद रखा गया है। यहां के खैरथल जिले के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। यहां के कलेक्टर किशोर कुमार ने सभी निजी व सरकारी स्कूलों के अवकाश की घोषणा की है। यह आदेश पांचवीं तक के स्कूलों के लिए जारी किया गया है, जो आगामी आदेश तक लागू रहेगा। राजस्थान के भी कई जिलों का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी बढ़ा हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि राजस्थान के लगभग 25 जिलों का एक्यूआई लेवल मंगलवार को औसतन 200 है।

राहुल बोले- PM मोदी अडाणी को बचा रहे

नई दिल्ली। भाजपा ने गुरुवार को कहा अडाणी ग्रुप के खिलाफ अमेरिकी केस में नामित चारों राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं थी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और तमिलनाडु में उसकी सहयोगी पार्टी की सरकार थी। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में राफेल मुद्दा उठाया था, लेकिन बाद में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, गुरवार को ही राहुल गांधी ने अमेरिका में गौतम अडाणी पर लगे करप्शन के आरोपों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा था कि अडाणी जी 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे हैं और बाहर घूम रहे हैं,

क्योंकि पीएम मोदी उन्हें प्रोटेक्ट कर रहे हैं। गौतम अडाणी ने अमेरिका में क्राइम किया है, लेकिन भारत में उन पर कुछ नहीं हो रहा है। अडाणी की प्रोटेक्टर रएइक की चेयरपर्सन माधबी बुच पर केस होना चाहिए। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में हुई सुनवाई में गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों की धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे हैं। आरोप है कि ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर राज्य में बिजली कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट करने के लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी।लोग बहुत खुश हुए थे। उसी दिन झारखंड से 'पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महा-अभियान' यानी पीएम-जनमन की शुरूआत की गई थी। संविधान की आठवीं अनुसूची में 'संथाली' को शामिल करने पर राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आदिवासी भाषा 'संथाली' को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के प्रयासों में मैंने भी योगदान दिया है। यह आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में संभव हुआ।

स्टालिन ने जयशंकर को पत्र लिख रिहाई का किया आग्रह

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र लिख केंद्र की सहायता मांगी है। स्टालिन ने कहा कि इस साल की शुरूआत में पाकिस्तानी नौसेना ने 14 भारतीय मछुआरों को हिरासत में ले लिया था और अब उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। मछुआरों की जल्द रिहाई का आग्रह दरअसल, हिरासत में लिए गए मछुआरों में सात तमिलनाडु के हैं। मछुआरों को 3 जनवरी 2024 को गुजरात के पोरबंदर से मछली पकड़ने के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया था। उनकी मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भी पाकिस्तानी नौसेना ने जब्त कर लिया। अपने पत्र में स्टालिन ने लगभग 10 महीने की हिरासत पर चिंता व्यक्त की और गिरफ्तार मछुआरों के परिवारों पर

पड़ने वाले भावनात्मक और वित्तीय तनाव के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कमाने वाले सदस्यों की अनुपस्थिति ने उनके परिवारों को गंभीर संकट में डाल दिया है। स्टालिन ने लिखा, ₹लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने और इसमें शामिल मानवीय चिंताओं को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि सभी मछुआरों की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से इस मामले को ठोस और सार्थक तरीके से उठाया जाए। मुख्यमंत्री ने केंद्र से जब्त मछली पकड़ने वाली नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया, जो मछुआरों और उनके परिवारों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं।इससे पहले हाल ही में स्टालिन ने जयशंकर से श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों की बढ़ती गिरफ्तारी के मामलों पर तत्काल कूटनीतिक उपाय करने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री ने ऐसी घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वर्ष 2024 में सात वर्षों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की सबसे अधिक गिरफ्तारी हुई है। तमिलनाडु सरकार ने लगातार इस मुद्दे को उठाया है, राज्य के मछुआरा समुदाय की सुरक्षा की वकालत की है, जिनके सदस्य अक्सर आजीविका की तलाश में विवादित जल में जाते हैं।

सुलगते-दहकते मणिपुर का जिम्मेदार कौन?

मनोज कुमार अग्रवाल

अब जब यह हिंसा खत्म नहीं हो रही तो लोगों ने गुस्से में भाजपा विधायकों, मंत्रियों तथा मुख्यमंत्री तक के घरों पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उन्होंने वहां के कांग्रेस नेताओं को भी नहीं बख्शा। बात अकेले मणिपुर की नहीं है, बात देश के इस पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की है, जहां पहले ही लगातार गड़बड़ होने के समाचार मिलते रहते हैं। लोग बड़े स्तर पर बंटे हुए दिखाई देते हैं, यहां की निरंतर बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए कोई बड़े यत्न नहीं किए गए।

मणिपुर भारत का सबसे खूबसूरत प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर उत्तर पूर्वी राज्य है, जिसमें लगभग पिछले डेढ़ वर्ष से हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। हिंसा की यह आग मई, 2023 में शुरू हुई थी, जब वहां की हाईकोर्ट ने बहुसंख्यक मैतई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा देने का फैसला सुनाया था, इससे वहां के पहाड़ों में रहने वाले कुकी समुदाय के लोगों में डर पैदा हो गया कि उनकी जमीनें और अधिकार बड़े स्तर पर कम हो जाएंगे। उत्तर पूर्व के छोटे-छोटे राज्य अशांत रहते हैं। इन सभी राज्यों के अलगाववादी हथियारबंद होकर दशकों से यहां चुनौती पेश करते आ रहे हैं। मणिपुर में बहुसंख्यक मैतई हिन्दू समुदाय के साथ और कुकी बड़ी हद तक ईसाई समुदाय से संबंधित हैं। यहां भाजपा की सरकार है। एन. बिरेन सिंह यहां के मुख्यमंत्री हैं। 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं, जिनमें से 7 विधायक कुकी समुदाय के साथ भी संबंध रखते हैं। डेढ़ वर्ष से यहां बनी गृह युद्ध की स्थिति में अब तक 300 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। बड़े स्तर पर घरों और जायदादों को आग लगाई जा चुकी है। यह दोनों समुदाय एक दूसरे के कट्टर विरोधी ही नहीं, बल्कि दुश्मन बने नजर आते हैं। इसलिए अपने-अपने गांवों में इन्होंने अपने पहरे लगा रखे हैं। हथियारबंद लोग एक- दूसरे समुदाय पर हमले करते हैं।

मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की आग में जल रहा है। यहां उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद जिरीबाम में 6 लोगों के अपहरण और उनकी लाश मिलने के बाद से भीड़ हिंसक हो गई है। कई मंत्रियों के घरों पर हमले हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने सीएम के घर पर भी हमला करने की कोशिश की थी। कुकी उग्रवादियों की ओर से एक ही परिवार के 6 लोगों की नृशंस हत्या के बाद नाराज मैतेई समुदाय के लोग सड़क पर उतर आए हैं। वे लगातार हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुकी समुदाय 11 नवंबर की मुठभेड़ को फर्जी बता रहा है। इन लोगों का कहना है कि वह उनके शवों का अंतिम संस्कार पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही करेंगे। कुकी समुदाय का कहना है कि उन्हें शक है कि सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़कर मारा है।

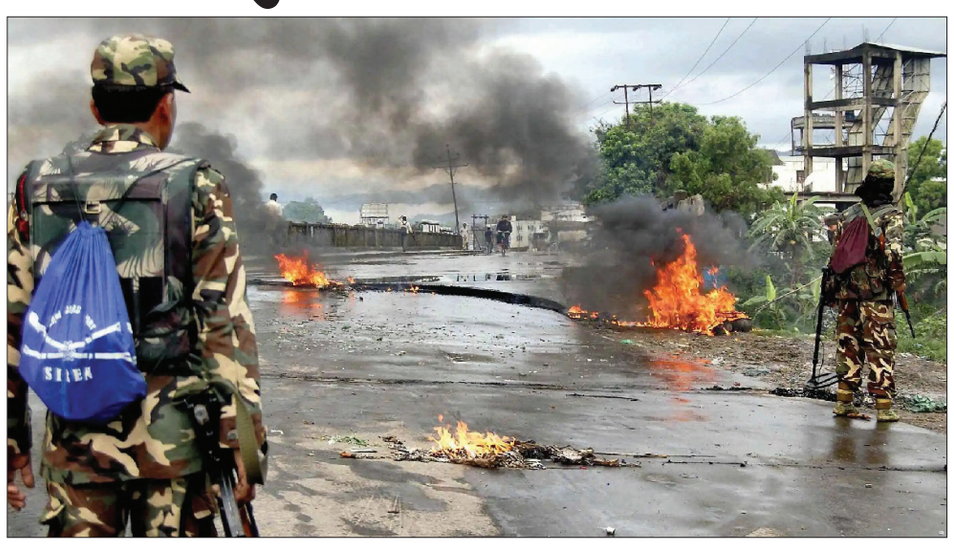

ताजा जानकारी के अनुसार हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा जिरीबाम में एक महिला की हत्या की गई। इस संबंध में 8 नवंबर को जिरीबाम स्थानीय पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। सशस्त्र उग्रवादियों ने जिरीबाम के जाकुरधोर करोंग और बोरोबेकरा पुलिस स्टेशनों पर मौजूद सीआरपीएफ चौकी पर हमला किया। इस सिलसिले में 11 नवंबर को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। बोरोबेकरा में घरों को जलाने और नागरिकों की हत्या का मामला सामने आया। इस संबंध में 11 नवंबर को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। 11 नवंबर को, मणिपुर पुलिस ने कहा कि बोरोबेक्रा पुलिस स्टेशन और जिरीबाम के जकुरधोर में सीआरपीएफ कैंप पर छद्म वर्दी पहने और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी के बाद सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में 10 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। पुलिस के अनुसार, कुछ घंटों बाद संदिग्ध उग्रवादियों ने उसी जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों का कथित तौर पर अपहरण कर लिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि मणिपुर में तैनात सभी सुरक्षा बलों को राज्य में व्यवस्था और शांति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

पिछले साल मई से जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर में महिलाओं और बच्चों के शव बरामद होने के बाद विरोध प्रदर्शन और हिंसा के कारण स्थिति अस्थिर हो गई है। गुस्साई भीड़ ने इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में तीन भाजपा विधायकों और एक कांग्रेस विधायक के घरों में आग लगा दी जबकि सुरक्षा बलों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर धावा बोलने की प्रदर्शनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया। मणिपुर में स्थिति को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने सीएपीएफ की 50 और कंपनियां भेजने का फैसला किया है। इस तरह अब राज्य में सीएपीएफ की 268 कंपनियां तैनात हो जाएंगी। इनमें पांच हजार जवानों की संख्या और बढ़ जाएगी। इस तरह, राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों में जवानों की तैनाती की संख्या 26,800 हो जाएगी। इन 50 कंपनियों में सबसे बड़ी संख्या सीआरपीएफ की कंपनियों की होगी, जबकि बाकी कंपनियां बीएसएफ और अन्य सुरक्षाबलों की होंगी। जो अतिरिक्त 50 कंपनी यहां जाएगी उनमें अतिरिक्त 6500 अर्धसैनिक बल होंगे। यहां पहले से ही 40,000 केंद्रीय बल मौजूद हैं।

इसी बीच एक शरणार्थी कैंप में से कुछ व्यक्तियों के अपहरण और हत्या के बाद हिंसा के हालात और भी तेज हो गये। यहां तक कि दोनों समुदायों ने चर्चों और मंदिरों में भी तोड़ फोड़ की और उनको आग भी लगाई। मणिपुर में सरकार बुरी तरह फेल हो चुकी है। इस घटनाक्रम की कुछ हैरान करने वाली बातें हैं। जब ये दंगे भड़के थे तथा ऐसा गृह-युद्ध शुरू हुआ था तो इन्हें न सम्भाल सकने की ज़िम्मेदारी मुख्यमंत्री बिरेन सिंह पर डाली गई थी। तब ये समाचार भी आने लगे थे कि स्थिति को अच्छी तरह न सम्भाल सकने तथा इस सीमा तक बिगड़ने देने के कारण मुख्यमंत्री से इस्तीफा ले लिया जाएगा, परन्तु अब वहां खतरनाक हालात पैदा हो जाने के बाद भी कोई कदम नहीं उठाया जाना बड़ी हैरानी की बात यह है।

अब जब यह हिंसा खत्म नहीं हो रही तो लोगों ने गुस्से में भाजपा विधायकों, मंत्रियों तथा मुख्यमंत्री तक के घरों पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उन्होंने वहां के कांग्रेस नेताओं को भी नहीं बख्शा। बात अकेले मणिपुर की नहीं है, बात देश के इस पूरे उत्तर- पूर्वी क्षेत्र की है, जहां पहले ही लगातार गड़बड़ होने के समाचार मिलते रहते हैं। लोग बड़े स्तर पर बंटे हुए दिखाई देते हैं, यहां की निरंतर बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए कोई बड़े यत्न नहीं किए गए। मणिपुर एक छोटा राज्य है, परन्तु इसकी अशांत स्थिति का प्रभाव समूचे देश पर पड़ने से इन्कार नहीं किया जा सकता। राजनीतिक तौर पर मणिपुर में भाजपा की सहयोगी नैशनल पीपुल्स पार्टी ने इससे नाता तोड़ने की घोषणा कर दी है। कुकी समुदाय के भी 7 विधायक भाजपा से संबंधित हैं, परन्तु इसके बावजूद अभी यहां की सरकार के टूटने का कोई बड़ा खतरा नजर नहीं आ रहा, परन्तु सरकार टूटने से भी बड़ा मामला भाईचारा बनाए रखने और शांति स्थापित करने का है, जिसका प्रभाव किसी न किसी रूप में समूचे देश पर पड़ेगा। माहौल को सम्भालने तथा एकसुर करने की ज़िम्मेदारी इस समय भाजपा और केंद्र सरकार की है। विशेष रुप से सरकार को मणिपुर संबंधी अपनी नीतियों पर पुनः सोचने तथा हालात को सुधारने के लिए तेजी से काम करने की जरूरत होगी।

संपादकीय

भारत के सिद्धांतों का विस्तार

ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए जी-20 के दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने बहुत सी उम्मीदें संजोई थीं, लेकिन दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं और चुनौतियों के समाधान में सम्मेलन को बहुत अधिक सफलता नहीं मिली। यूक्रेन संघर्ष और गाजा त्रासदी पूरी मानवता के लिएचिंता का विषय बने हुए हैं। सम्मेलन के बाद संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ जिसमें युद्धरत गाजा के लिए अधिक सहायता और पश्चिम एशिया एवं यूक्रेन में शत्रुता समाप्त करने का आह्वान किया गया है। आशा बंधी थी कि दुनिया के नेता कूटनीति और वार्ता के जरिए गाजा और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में सफल होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वास्तविकता यह है कि पिछले दो वर्षों के दौरान परस्पर विरोधी मतभेद इतने बढ़ गए हैं कि बीच का कोई रास्ता खोजने की संभावना बहुत कम हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का जी-20 का आदर्श वाक्य (थीम) 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' उतना ही प्रासंगिक है, जितना पिछले साल था। लेकिन हकीकत यह है कि धरती बंटी है, परिवार में कलह है, और महत्त्वाकांक्षा के कारण समान भविष्य को नजरंदाज कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान के सबसे ज्वलंत मुद्दे को उठाते हुए कहा कि वैश्विक संघर्षों के कारण खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट से ग्लोबल साउथ के विकासशील और अर्धविकसित देश सबसे अधिक प्रभावित हैं। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों के नेता युद्ध रोकने की बजाय हथियारों की आपूर्ति करने में लगे हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ड्रोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन संघर्ष को रोकने के पक्ष में हैं, लेकिन पश्चिम एशिया में इस्राइल को अधिक समर्थन देने तथा चीन के खिलाफ सख्त आर्थिक और सैनिक रवैया अपनाने के समर्थक हैं। ऐसे में संयुक्त वक्तव्य में युद्धसमाप्त करने का आह्वान मात्र औपचारिकता है। शिखर सम्मेलन की शुरूआत में ब्राजील के राष्ट्रपति लूईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने भूख और गरीबी से लड़ने के अभियान का आह्वान किया। इस अभियान को पहले ही करीब 80 देशों का समर्थन हासिल हो चुका है। जाहिर है कि सम्मेलन की यह एक बड़ी उपलब्धि है। हालांकि इस अभियान का बीज भारत ने पिछले साल जी-20 की अध्यक्षता करते हुए रोपा था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा के लिए अपनाए गए सिद्धांतों का विस्तार बताया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

अडानी पर लटकती तलबार और दागदार होती सरकार

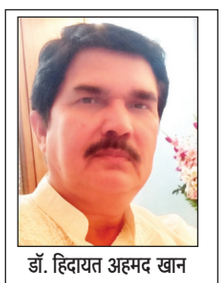

डॉ. हिदायत अहमद खान

एक तरफ विश्वगुरु बनने की दहलीज पर खड़े भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना में सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ अडानी मामले ने देश की नाक कटाने जैसा संदेश दे दिया है। इसकी जांच और हकीकत जल्द से जल्द सामने आना चाहिए, क्योंकि इस पूरे मामले में देशवासियों के विश्वास का मामला भी जुड़ता है। दरअसल भारत के मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका की कोर्ट ने इस मामले में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया है, जिसे लेकर विपक्ष पीएम मोदी पर सीधे हमलावर है। इस मामले में गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी को लेकर अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई है। खास बात यह है कि मामला जैसे ही उजागर हुआ अडानी समूह ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। इस मामले का असर भारत के शेयर बाजार में गुरुवार को देखने को मिला, जबकि मार्केट में भारी गिरावट दर्ज की गई। यही नहीं अमेरिकी अदालत की तरफ से रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी अडानी समूह की कंपनियों से सफाई मांगी है।

इससे पहले अडानी मामले को लेकर जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसके मुताबिक अडानी समूह ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग में दर्ज मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने करीब 265 मिलियन डॉलर भारतीय रुपये में करीब 2237 करोड़ की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि कॉन्ट्रैक्ट मिलने से दो दशक में करीब 2 बिलियन डॉलर यानी करीब 16882 करोड़ रुपये का मुनाफा मिल जाएगा। अब इस मामले को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने तो अडानी के बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर ही सीधे निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि जब इस मामले की जांच शुरू हुई तो इसे रोकने की साजिश भी रची गई। कांग्रेस का कहना है कि यह अजीब बात है कि कांग्रेस लगातार अडानी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पूरी ताकत से अडानी को बचाने में लगे हुए हैं। इसकी वजह भी साफ है कि अडानी की जांच होगी तो हर कड़ी पीएम मोदी से जुड़ती हुई दिखाई देगी।

इस मामले में सबसे बड़ा हमला कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह कहते हुए किया है कि देश में मुख्यमंत्री को तो जेल भेजा जा रहा है, लेकिन अडानी का कुछ नहीं हो रहा है। क्योंकि ये बिजनेसमैन पीएम मोदी का पूरा समर्थन करते हैं। इसलिए पीएम मोदी भी लगातार इन्हें बचा रहे हैं। इसी के साथ राहुल गांधी ने मांग करते हुए कहा है कि अडानी को गिरफ्तार किया जाए, लेकिन वो जानते हैं कि उन्हें अरेस्ट नहीं किया जाएगा। इसी के साथ पीएम मोदी को अडानी के कंट्रोल में होने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया और कहा कि इस मुद्दे को वो संसद में उठाएंगे। इसी के साथ जिस भी राज्य सरकारों का अडानी ग्रुप के साथ समझौता हुआ है, उसकी जांच भी होनी चाहिए। राहुल गांधी ने इस मामले में जेपीसी से जांच कराए जाने की भी मांग की है। बहरहाल राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार की बात हम नहीं कर रहे, बल्कि ये अमेरिकी एजेंसी ने अपनी जांच में बातें कही हैं। अब जो भी दोषी पाया जाता है, उसे सजा मिलनी ही चाहिए।

देश और दुनिया के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी मामले ने सत्ता पक्ष को बिचलित करने जैसा काम कर दिया है, वहीं विपक्ष को मानों संजीवनी मिल गई है। कांग्रेस नेता तो सीधे अडानी के खिलाफ जारी वारंट का जिक्र कर पीएम मोदी को घेरने में लगे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पहले से ही केंद्र सरकार और अडानी में गहरी सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं, जिसका समय रहते माकूल जवाब भी नहीं दिया गया। अब कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने भी पलटवार करना शुरू कर दिया है। बीजेपी नेताओं का इस मामले में कहना है कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अनावश्यक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो सभी जानते हैं कि अब ऐसे समय में जबकि अमेरिका से लेकर भारत तक अडानी मामले ने राजनीति को मथ कर रख दिया है, कोई क्योंकर इसका बारीकी से अध्ययन करने की जेहमत करेगा। यह भी सभी मान रहे हैं कि अडानी समूह के साथ सरकारों ने जो दोस्ताना व्यवहार किया वह उद्योगजगत के अन्य टिमटिमाते सितारों के साथ तो कतई नहीं किया गया है। अब सभी को इस मामले की सच्चाई सामने आने का इंतजार है, जिसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। तब तक अडानी की गरदन पर कार्रवाई की तलवार लटकती रहेगी और हमारी सरकार को दागदार कह घेरने का जिम्मा विपक्ष बदस्तूर निभाता रहेगा।

कितने सही होते हैं एग्जिट पोल,

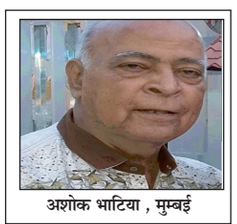

अशोक भाटिया , मुम्बई

महाराष्ट्र एवं झारखण्ड विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान पूरा हो गया। महाराष्ट्र में वोटिंग खत्म होते ही सबकी नजरें दोनों प्रदेशों के एग्जिट पोल पर रही । नतीजे 23 नवम्बर शनिवार को आने हैं। इससे पहले बुधवार शाम को अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल जारी किए है । इन पोल के जरिए ये बताने की कोशिश हो रही है कि किस राज्य में कौन सी पार्टी सरकार बन सकती है या कितनी सीटें जीत सकती है। अजीब विडम्बना है कि महाराष्ट्र में चाणक्य एन डी ए को १३०-१३८ सीट बता रही है और पोपुल्स ८५-११२ . झारखण्ड में चाणक्य एन डी ए को ४५-50 सीट बता रहा है वहीं एक्सिस माय इंडिया 25 . एग्जिट पोल के नतीजों की सटीकता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। हम आपको दोनों चुनावी प्रदेशों के पिछले नतीजे और एग्जिट पोल के आंकड़े बताने जा रहे हैं। इससे आप समझ पाएंगे कि यह पोल कितना सही होता है? क्या इनमें किए गए दावे कितने सटीक होते हैं? इन पोल में पिछली बार क्या कहा गया था और बाद में नतीजे क्या निकले? यदि हम हरियाणा पिछले चुनाव में कैसे थे एग्जिट पोल के नतीजे देखे तो 21 सितंबर 2019 को चुनाव आयोग ने हरियाणा में विधानभा चुनावों का€लान किया था। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 21 अक्तूबर 2019 को वोट डाले गए थे। 24 अक्तूबर 2019 को मतगणना कराई गई थी। मतदान के बाद तमाम न्यूज चैनलों और चुनाव सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल नतीजे में आसानी से भाजपा की सरकार बनती दिखाया था। चार प्रमुख एग्जिट पोल में सत्ताधारी भाजपा को एकतरफा 70 से ज्यादा सीटें जीतते हुए दिखाया गया था। वहीं एक चैनल ने भाजपा को 50 से 65 के बीच सीटें दी थीं। हरियाणा 2024 विधानसभा चुनाव की बात करें तो एग्जिट पोल के नतीजे इस प्रकार थे . इंडिया टुडे-सी वोटर: कांग्रेस को 50 से 58 सीटें और बीजेपी को 20 से 28 सीटें.एक्सिस माई-इंडिया: कांग्रेस को 53 से 65 सीटें और बीजेपी को 18 से 28 सीटें.भास्कर रिपोर्टर्स पोल: कांग्रेस को 44 से 54 और बीजेपी को 19 से 29 सीटें.रिपब्लिक मैट्रिज: कांग्रेस को 55 से 62 और बीजेपी को 18 से 24 सीटें. ये कुछ एग्ज़िट पोल हैं जिनमें हरियाणा में कांग्रेस की स्पष्ट बहुमत से सरकार बनने की बात कही गई थी. लेकिन जब नतीजे आए तो इसके ठीक उलट हुआ. हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल किया और राज्य में जीत की हैट्रिक लगाई. नतीजों में बीजेपी को 48 और कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं. 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 46 है€ इन चुनावी नतीजों ने एक बार फिर एग्ज़िट पोल और उनको करने वाली एजेंसियों की विश्वसनीयता को सवालों के घेरे में ला दिया है.हालांकि जम्मू-कश्मीर के नतीजे एग्ज़िट पोल के इर्द-गिर्द रहे. यहां नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिला है. 2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव हुए थे। तब 87 सीटों वाली विधानसभा के लिए 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2014 तक पांच चरणों में मतदान हुआ था। 2014 के एग्जिट पोल में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने का अनुमान जताया गया था। जम्मू कश्मीर में सत्ता में किसकी वापसी होगी, इसका अनुमान स्पष्ट नहीं था। हालांकि, उस वक्त 87 सीटों वाले जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और बीजेपी दोनों के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई थी। इन एग्जिट पोल्स में बताया गया था कि पडीपी सबसे बड़ी पार्टी बनती सकती है, जबकि भाजपा दूसरी बड़ी पार्टी के तौर पर आ सकती है। वहीं एग्जिट पोल्स में जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व की नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को बड़ी हार का सामना करते हुए दिखाया गया था। जब नतीजे आए तो तमाम एग्जिट पोल काफी हद तक गलत साबित हुए। जहां अनुमानों में सत्ताधारी भाजपा की प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनती दिखाई गई थी। वहीं, नतीजों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। सत्ताधारी भाजपा बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। 90 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटों पर जीत जरूरी थी। भाजपा को सबसे ज्यादा 40 सीटें मिलीं। कांग्रेस 31 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। विधानसभा चुनाव में जजपा 10 सीटें जीतने में सफल रही। सात निर्दलीय, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) एक और हरियाणा लोकहित पार्टी को एक सीट पर जीत मिली। चुनाव के बाद 10 सीटों वाली जजपा के साथ पार्टी ने गठबंधन किया और राज्य की सत्ता में वापसी की। 27 अक्तूबर 2019 को मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। किंग मेकर बने दुष्यंत चौटाला ने उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने मनोहर लाल की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। जम्मू कश्मीर प्रदेश में 2014 के एग्जिट पोल्स काफी हद तक सही साबित हुए थे। 2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में चुनाव हुए थे। विधानसभा चुनाव के परिणाम 23 दिसंबर 2014 को घोषित किये गये थे। 87 सदस्यीय विधानसभा में महबूबा मुफ्ती की जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को सबसे ज्यादा 28 सीटें मिलीं। वहीं, दूसरे स्थान पर भाजपा थी जो 25 सीटों पर जीतने में सफल रही। फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस को 15 जबकि कांग्रेस को 12 सीटों पर जीत मिली। तीन सीटों पर निर्दलीय तो चार सीटों पर अन्य छोटे दलों को जीत मिली। नतीजों से साफ था कि कोई भी दल बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। नतीजों के करीब ढाई महीने बाद पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सईद ने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। पीडीपी को 25 सदस्यों वाली भाजपा का समर्थन था। इस तरह इस गठबंधन ने बहुमत के आंकड़े को जुटा लिया। 7 जनवरी 2016 को सईद के निधन के बाद राज्य में एक बार फिर राजनीतिक अनिश्चित्ता का दौर आया। राज्य में राज्यपाल का शासन लगाना पड़ा। करीब तीन महीने की अनिश्चितता के बाद भाजपा और पीडीपी में फिर से समझौता हुआ और महबूबा मुफ्ती ने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। 4 अप्रैल 2016 को महबूबा राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। पीडीपी-भाजपा की यह गठबंधन सरकार दो साल से ज्यादा वक्त तक चली। जून 2018 में भाजपा ने महबूबा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती की सरकार गिर गई। 5 अगस्त, 2019 को राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। धारा 370 हटने के बाद अब पहली बार जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए हैं। अब सवाल यह है कि एग्जिट पोल बढ़-चढ़कर किए गए अपने दावों में कई बार क्यों इसी प्रकार पूरी तरह फेल साबित होते हैं? दरअसल एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रूझान ही होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ सौ या कुछ हजार हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर ही तैयार किए जाते हैं और प्रायः इसीलिए इन्हें हकीकत से दूर माना जाता रहा है। एग्जिट पोल में प्रायः मीडिया से आ रही खबरों, चुनाव का इतिहास और हवा के रुख का घालमेल भी शामिल रहता है। जब कोई मतदाता अपना मत देकर मतदान केन्द्र से बाहर निकलता है तो एग्जिट पोल कराने वाली एजेंसियां उससे उसका रूझान पूछ लेती हैं। अधिकतर एग्जिट पोल परिणामों को प्रायः यह समझ लिया जाता है कि ये पूरी तरह सही ही होंगे किन्तु ऐसा समझकर लोग प्रायः यह भूल जाते हैं कि ये केवल अनुमानित आंकड़े ही होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वे करने वालों को सच्चाई ही बताई हो। दरअसल सर्वे के दौरान मतदाता बहुत बार इस बात का सही जवाब नहीं देते कि उन्होंने अपना वोट किस पार्टी या प्रत्याशी को दिया है। देश में चुनाव प्रायः विकास के नाम पर या फिर जाति-धर्म के आधार पर ही लड़े जाते रहे हैं और यदि बात विधानसभा चुनावों की हो तो चुनाव में बहुत से स्थानीय मुद्दे भी हावी रहते हैं, ऐसे में यह पता लगा पाना इतना आसान नहीं होता कि मतदाता ने अपना वोट किसे दिया है। दुनियाभर में अधिकांश लोग एग्जिट पोल को अब विश्वसनीय नहीं मानते और यही कारण है कि कई देशों में इन पर रोक लगाने की मांग होती रही है। मतदाताओं की राय जानने के लिए ह्यओपिनियन पोलह्न और ह्यपोस्ट पोलह्न भी किए जाते हैं। एग्जिट पोल हालांकि ओपिनियन पोल का ही हिस्सा होते हैं किन्तु ये मूल रूप से ओपिनियन पोल से अलग होते हैं। ओपिनियन पोल में मतदान करने और न करने वाले सभी प्रकार के लोग शामिल हो सकते हैं। ओपिनियन पोल मतदान के पहले किया जाता है जबकि एग्जिट पोल चुनाव वाले दिन ही मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। ओपिनियन पोल के परिणामों के लिए चुनावी दृष्टि से क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों पर जनता की नब्ज टटोलने का प्रयास किया जाता है और क्षेत्रवार यह जानने की कोशिश की जाती है कि जनता किस बात से नाराज और किस बात से संतुष्ट है। इसी आधार पर ओपिनियन पोल में अनुमान लगाया जाता है कि जनता किस पार्टी या किस प्रत्याशी का चुनाव करने जा रही है। ओपिनियन पोल को ही ह्यप्री-पोलह्न भी कहा जाता है। पोस्ट पोल प्रायः मतदान की पूरी प्रक्रिया के समापन होने के अगले दिन या फिर एक-दो दिन बाद ही होते हैं, जिनके जरिये मतदाताओं की राय जानने के प्रयास किए जाते हैं और अक्सर माना जाता रहा है कि पोस्ट पोल के परिणाम एग्जिट पोल के परिणामों से ज्यादा सटीक होते हैं। 1998 में चुनाव पूर्व सर्वे अधिकांश टीवी चैनलों पर प्रसारित किए गए और तब ये बहुत लोकप्रिय हुए थे लेकिन कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग पर 1999 में चुनाव आयोग द्वारा ओपिनियन पोल तथा एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद एक अखबार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसले को निरस्त कर दिया। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग उठी और इस मांग के जोर पकड़ने पर तब चुनाव आयोग ने प्रतिबंध के संदर्भ में कानून में संशोधन के लिए तुरंत एक अध्यादेश लाए जाने के लिए कानून मंत्रालय को पत्र लिखा। उसके बाद जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 में संशोधन करते हुए सुनिश्चित किया गया कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता। अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित,

वसई पूर्व - 401208 (मुंबई)E MAIL - vasairoad.yatrisangh@gmail.com` केवल व्हाट्स एप्प 9221232130

साबरमती रिपोर्ट पर सीएम योगी का पहला रिएक्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि एक सत्य को देशवासियों के सामने लाने का बड़ा और सफल प्रयास किया गया है। साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम व कलाकारों ने गोधरा के सच को सामने लाकर अपने राष्ट्रीय कर्तव्य को पूरा किया है। फिल्म यह बताती है कि किन लोगों ने कैसे षड्यंत्र किया ऐसे लोगों लोगों को देश के सामने लाया ही जाना चाहिए।

शहीद पथ पर स्थित पलासियो माल में मंत्री, विधायकों व जनता के साथ फिल्म देखने के बाद पत्रकारों से कहा कि साबरमती ट्रेन में सवार श्रद्धालु अयोध्या से धार्मिक अनुष्ठान करके लौट रहे थे, गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर उनके साथ जो हुआ उस पर पर्दा डाला जाता रहा। षड्यंत्र करने वाले अलग-अलग स्तरों पर सच्चाई को छिपाने में जुटे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में आज भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए झूठ फैलाया जा रहा है, ऐसे लोग देश, समाज व लोगों के हितकारी नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि ये

फिल्म ऐसे समय आई है जब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या में भव्य भगवान श्रीराम का मंदिर बना है, फिल्म की मूल घटना अयोध्या से जुड़ी है, गोधरा के सत्य को सभी जान सकें, इसे अधिक से अधिक लोग देखें, इसलिए प्रदेश में यह फिल्म टैक्स फ्री होगी। उनके साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। फिल्म देखने के बाद सीएम योगी ने कहा कि मैं ₹द साबरमती रिपोर्ट₹ की पूरी टीम को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी को ₹द साबरमती रिपोर्ट₹ फिल्म को देखनी चाहिए और गोधरा का सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। साबरमती रिपोर्ट की अभिनेत्री राशि खन्ना ने कहा कि गुजरात दंगों को सब जानते हैं लेकिन, गोधरा की सच्चाई से युवा व आम लोग परिचित नहीं हैं, यह भी स्वीकारा कि फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़कर जाना कि वहां क्या हुआ? अब चाहते हैं कि सब जाने कि गोधरा में 69 श्रद्धालु कैसे मारे गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिल्म के लिए ट्वीट करने व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यूपी में टैक्स फ्री करने के लिए धन्यवाद दिया।

भारतीय किसान संगठन के जिला अध्यक्ष लोकेश नागर के नेतृत्व में ग्राम रघुनाथपुर में सनसिटी बिल्डर से प्रभावित गांवों के किसानों की मीटिंग हुई।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद आज दिनांक 21/11/2024 को भारतीय किसान संगठन के जिला अध्यक्ष लोकेश नागर के नेतृत्व में ग्राम रघुनाथपुर में सनसिटी बिल्डर से प्रभावित गांवों के किसानों की मीटिंग हुई। लोकेश नागर ने बताया कि सनसिटी बिल्डर ने 20 साल से किसानो की जमीन को बंधक बना रखा है। उस जमीन पर भी काम नहीं करने दे रहा है जो सनसिटी बिल्डर के डी पी आर में भी नहीं हैं। जो जमीन बिल्डर के कब्जे में है उस भी निर्माण कार्य नहीं कर रहा है , साथ ही उन खरीदारों को भी परेशान कर रहा है जिन्होंने 20 साल पहले प्लाट लिए थे। आज उन खरीदारों को परेशान कर बिल्डर की तरफ से कहा जा रहा है कि अपने पैसे ले लो जो उस समय आपने दिए थे। किसानो के साथ भी यही हो रहा है कि अपनी जमीन पर खेती भी नहीं कर पा रहे हैं। बिल्डर द्वारा किसानो एवम खरीदारों का बहुत शोषण हो लिया। अब भारतीय किसान संगठन बिल्डर को आईना दिखाने का काम करेगा। बहुत जल्द बड़े आंदोलन का आगाज होगा। इस मौके पर टेकराम नागर, अलबेला यादव, दिनेश यादव, धर्मवीर प्रधान, महेन्द्र प्रधान, अमोल, विनोद यादव, आदि किसान मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा मेला गढ़मुक्तेश्वर सकुशल संपन्न होने के उपरांत, साफ सफाई का विशेष अभियान चलाकर संपूर्ण मेले की कराई गई सफाई : सीडीओ

कार्तिक पूर्णिमा मेले स्थल का युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर संपूर्ण घाटो को बनाया स्वच्छ, मेले स्थल का मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

संस्कार उजाला

जिला प्रभारी अमित शर्मा

हापुड़। जिलाअधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा के कुशल निर्देशन में गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला 2024 को सकुशल संपन्न कराये जाने के पश्चात दिनांक 16 नवंबर 2024 से दिनांक 21 नवम्बर 2024 तक वृहद स्तर पर साफ सफाई अभियान चलाकर संपूर्ण मेले की सफाई करवाई गई । मेले स्थल पर साफ सफाई की व्यवस्था को देखने हेतु मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम द्वारा किया गया औचक निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आरती मिश्रा एवं कार्यालय जिला पंचायत के अधिकारी/

हापुड़ रेलवे स्टेशन पर गंदगी की दुर्गंध संक्रमित बीमारियों को दे रही न्यौता

संस्कार उजाला

हापुड़/ हापुड़ रेलवे स्टेशन का भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के द्वारा सौंदर्य करण के शिलान्यास के बावजूद भी पांचो प्लेटफार्म पर गंदगी की दुर्गंध संक्रमित बीमारियों को न्योता दे रही है। सफाई कर्मियों का वेतन नहीं मिलने को लेकर सफाई कर्मियों के द्वारा हड़ताल की हुई है।आपको बता दें कि हापुर रेलवे स्टेशन की साफ सफाई का जिम्मा एक दिल्ली के प्राइवेट फर्म को दिया हुआ है। जिसमें लगभग 22 सफाई कर्मियों पर रेलवे स्टेशन की सफाई का जिम्मा है। उसके बावजूद भी हापुर रेलवे स्टेशन पर गंदगी फैली हुई है टॉयलेट गंदे हैं प्लेटफॉर्म कर और पांच पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मीना से साफ सफाई नहीं हुई है जिसकी शिकायत यात्रियों के द्वारा रेल मंत्री से भी की जा चुकी है। वही रेलवे के आला अधिकारी का कहना है कि इस मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से वार्ता की गई है जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान कराया जाएगा।

एसपी के निर्देश पर यातायात पुलिस के द्वारा सड़क सुरक्षा नवंबर माह 2024 के तहत वाहन चालकों का कराया नेत्र परीक्षण

संस्कार उजाला

हापुड़/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के कुशल निर्देशन में सड़क सुरक्षा नवंबर माह 2024 के अंतर्गत यातायात पुलिस के द्वारा वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण कराया गया। और साथ ही सर्दी के मौसम में बढ़ते कोहरे और धूंध के मद्देनजर वाहनों पर रेडियम स्टीकर लगाकर चलने के साथ सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, से संबंधित अन्य जानकारी उपलब्ध कराई गई।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की आयोजित मासिक पंचायत में 26 नवंबर को प्रदेश स्तरीय जिला कलेक्ट्रर का घेराव करने को लेकर रूपरेखा की तैयार की गई

संस्कार उजाला

हापुड:/ भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के मुख्य जिला कार्यालय पर मासिक पंचायत का आयोजन किया गया। जिसका संचालन धौलाना तहसील अध्यक्ष रविन्द्र सिंह और अध्यक्षता रामबीर सिंह द्वारा की गई। मासिक पंचायत के दौरान किसान और मजदूरों की समस्याए रखी गई। साथ ही आयोजित पंचायत में जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने कहा है कि राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश स्तरीय 26 नंवबर को जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। इसके साथ साथ ही सिंभावली शुगर मिल पर करीब एक सौ छ करोड़ और वही ब्रजनाथ पुर शुगर मिल पर करीब 53 करोड़ रुपए किसानों का बकाया गन्ना भुगतान है।जिसके लिए भी जल्द रणनीति बनाई जाएगी। और खाद व डीएपी की समस्या लगातार चल रही जिसका जल्द ही निस्तारण कराया जाएगा। क्या कहिन जिला गन्ना अधिकारी सना आफरीन जिला गन्ना अधिकारी सना आफरीन का कहना है कि किसानों के बकाया गन्ना भुगतान सिभावली शुगर मिल और वह ब्रजनाथपुर शुगर मिल पर करीब 159 करोड़ रुपए बकाया है। जिसमें धीरे धीरे बकाया गन्ना भुगतान चल रहा है। और आज भी हमने करीब धौलान सोसायटी के करीब फानइल की तरफ जा रहा है। वही हमारा लगातार प्रयास है कि जल्द से जल्द गन्ना भुगततान बढ़ाकर कम्प्लीट किया जाए। इस मौके पर महिला विंग जिला अध्यक्ष नीलम त्यागी, जिला उपाध्यक्ष पूनम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष कल्पना देवी, जिला महासचिव रमा शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सरिता देवी, जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी, जिला सचिव राजवीरी देवी, जिला प्रवक्ता कुंवर खुशनूद, मेरठ मंडल संगठन मंत्री महिपाल सिंह उर्फ गुजराल, जिला मीडिया प्रभारी अमजद खान, जिला संरक्षक पीके वर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष नौशाद अली, जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर, धौलाना ब्लॉक अध्यक्ष उमेश राणा, बाबूगढ़ नगर अध्यक्ष शेखर चौधरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह, नीरज शर्मा, संगठन मंत्री पालू राम, नरेंद्र त्यागी ओमेंद्र बना तहसील संयोजक विनोद शर्मा, संजीव कुमार, सुशील कुमार, पवन त्यागी, जयराम सिंह, रामवीर सिंह समेत मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री व वन मंत्री ने सलखन फासिल्स पार्क का किये निरीक्षण।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता। सोनभद्र। रवीन्द्र जायसवाल राज्यमंत्री/जनपद के प्रभारी मंत्री/स्वतंत्र प्रभार स्टाम्प एवं पंजीयन, डॉ0 अरूण कुमार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार वन पर्यावरण एवं जन्तु उद्यान ने सलखन फासिल्स पार्क का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि सलखन फासिल्स को बेहतर ढंग से विकसित किया जाये, जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बनें, इसके लिए बेहतर ढंग से कार्ययोजना बनायी जाये, इस दौरान डॉ0 अरूण कुमार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार वन पर्यावरण एवं जन्तु उद्यान ने उपस्थित अधिकारियों के निर्देशित करते हुए कहा कि सलखन फासिल्स पार्क को विकसित करने हेतु इस प्रकार की कार्ययोजना बनायी जाये कि सलखन फासिल्स पार्क की पहचान राष्ट्रीय स्तर के पार्क के रूप में हो, इस दौरान मंत्रीगण ने सलखन फासिल्स पार्क के विकास हेतु किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में डी0एफा0ओ0 से जानकारी प्राप्त की, तो जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व डी0एफ0ओ0 कैमूर द्वारा बताया गया, कि फासिल्स पार्क के सौन्दर्यीकरण हेतु पर्यटन विभाग द्वारा डेढ़ करोड़ की धनराशि स्वीकृति की गयी है, जिसके माध्यम से पर्यटकों के बैठने हेतु दो ग्लोवर, नेचर ट्रेलर, प्रकृति चित्रण केन्द्र, सुरक्षा व्यवस्था के आवश्यक प्रबन्ध, गेट का निर्माण आदि कार्य कराये जायेंगें, प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि सलखन फासिल्स पार्क के महत्वपूर्ण प्रचार-प्रसार करने हेतु जन मानस तक जानकारी पहुंचाने के लिए छोटे-छोटे वीडियो क्लीप बनाकर उसे प्रकृति चित्रण केन्द्र में चलाया जाये, जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में लोग फासिल्स पार्क के ईतिहास को जान सके और उसे देखने हेतु जनपद में आयें। इस दौरान मंत्रीगण ने देखों अपना देश, उत्तर प्रदेश के आकर्षण पर्यटक स्थल को दें वोंट, उत्तर प्रदेश के टूरिस्ट प्लेस को सुधारने का सुनहरा मौका अभियान के अन्तर्गत सेल्फी ली लियें। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

हापुड़ में ट्रेडिंग के नाम पर लेफ्टिनेंट कमांडर से ठगे सवा 24 लाख

संस्कार उजाला

हापुड़। वॉट्सएप ग्रुप पर ऑनलाइन ट्रेडिंग कर अच्छा मुनाफा होने का झांसा देकर साइबर ठगों ने थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में रहने वाले नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर से 24.25 लाख रुपए ठग लिए।मामले में उनकी तहरीर पर थाना साइबर क्राइम में अज्ञात ठगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस टीम आरोपितों की तलाश में जुट गई है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही उन्हें पकड़ा जाएगा। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के कुचेसर रोड चौपला के अभिषेक कुमार ने बताया कि वह भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर हैं। वर्तमान में उसकी तैनाती मुंबई में चल रही है। तीन जुलाई 2024 को वह आई.ई.एफ वेल्थ बिल्डर्स नाम से बने वॉट्सएप ग्रुप से जुड़े थे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई चकबंदी विभाग की समीक्षा

चकबंदी अधिकारी को दिए निर्देश, गांव में की जा रही चकबंदी का बनाएं मैप : डीएम

संस्कार उजाला

हापुड़। आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में चकबन्दी विभाग में कार्यरत बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी / चकबन्दी अधिकारी / सहायक चकबन्दी अधिकारीगण उपस्थित रहे है। जनपद हापुड में कुल 21 ग्राम चकबन्दी प्रक्रियाधीन है, जिसमें से जनपद हापुड में 13 ग्राम तहसील- गढ़मुक्तेश्वर के नवप्रसारित तथा इसके अतिरिक्त 01 ग्राम पूर्व से चकबन्दी प्रक्रियाओं में प्रचलित है तथा तहसील हापुड के 06 ग्राम तथा तहसील-धौलाना का 01 ग्राम चकबन्दी प्रक्रियाओं में प्रचलित है। उक्त ग्रामों में जिलाधिकारी / जिला उप संचालक चकबन्दी महोदया हापुड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की चकबन्दी निदेशालय स्तर से जारी कार्य योजना के अनुरूप कार्य प्रगति बढाने तथा चकबन्दी न्यायालयों में 03 वर्षों से अधिक पुराने वादों वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किये जाने हेतु व शासन / चकबन्दी निदेशालय / जिला स्तर पर प्राप्त परिवाद/ आई०जी०आर०एस० के गुणवत्ता पूर्ण ससमय निस्तारण के निर्देश भी दिये गये है।

संक्षिप्त डायरी

नगर पालिका अध्यक्ष ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला 2024 से कुशल संपन्न होने पर गंगा मैया में चढाई दूध की धार

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला 2024 मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया से आरती के वक्त मांगी गई मनौती सुरक्षा की दृष्टिगत मेला सकुशल संपन्न होने पर गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष राकेश बजरंगी अधिशासी अधिकारी मुक्ता सिंह, सहित नगर पालिका परिषद के अन्य कर्मचारी गणों के साथ मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया में दूध की धार चढ़कर मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया का सभी ने श्रद्धा भाव के साथ लिया आशीर्वाद।

आरएसएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्र ने इंडियन एयर फोर्स की तकनीकी ब्रांच में ऑल इंडिया रैंक 399प्राप्त कर लहराया परचम

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़ मुक्तेश्वर के सिंभावली ब्लॉक के हिम्मतपुर रोड पर स्थित। शिक्षा के मंदिर के रूप में अग्रणीय संस्था आरएसएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्र कुनाल दूंन पुत्र अनुज चौधरी निवासी लाडपुर के द्वारा अपने प्रथम प्रयास में इंडियन एयर फोर्स की तकनीकी ब्रांच में ऑल इंडिया रैंक 399 प्राप्त कर सफलता प्राप्त करने पर आर एस एम सीनियर सेकेंडरी विद्यालय निदेशक संदीप सिंधू प्रधानाचार्य ग्रीष्मा कपूर उप प्रधानाचार्य नवनीत शर्मा नासिर अली संतवीर सिंह अरविंद कुमार एवं निशु शर्मा के द्वारा उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए समस्त परिजनों को भी इस उपलब्धि को लेकर बधाई दी गई।

उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ने महाराजा फार्म हाउस पहुंचकर वर बधु को दिया आशीर्वाद

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के हर दिल अजीज गरीबों के साथ दुख सुख में कंधा मिलाकर चलने वाले सिम्भावली निवासी समाजसेवी डॉ राजेन्द्र सिंह औलख की बिटिया बलजीत कौर की शादी में उत्तर प्रदेश सरकार के यशवी कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ने की शिरकत। और बेटी बलजीत कौर एवं दामाद साहिब सिंह भुल्लर को यशस्वी कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ने डॉ राजेंद्र सिंह औलख के महाराजा फार्म हाउस में नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद दिया।इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी मनोज चोधरी, उप कृषि निदेशक योगेंद्र सिंह, संदीप सिंधु नीटू, हरिसिंह, हरेन्द्र सिंह, राजू, राहुल मसंद इत्यादि उपस्थित रहे।

बैंक एटीएम बूथ की सुरक्षा में चूक किसी भी हाल में नहीं की जाएगी बर्दाश्त/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह

संस्कार उजाला

हापुड़/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के कुशल आदेश अनुपालन में हापुड़ पुलिस के द्वारा बैंक एटीएम बूथ के आसपास खड़े संदिग्ध लोगों एवं वाहनों की सघन चेकिंग करने का अभियान सतर्कता के साथ चलाए जा रहा है। जिसको लेकर एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के द्वारा सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में स्थित एटीएम बूथों एवं बैंकों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने ने को लेकर सख्त दिशा निर्देश जारी किए हुए हैं। जिसके चलते हापुड़ पुलिस के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिगत सायरन सीसीटीवी कैमरे अग्निशमन यंत्र और बैंक पर तैनात गार्ड की चेकिंग की गई। और बैंक से संबंधित अधिकारियों को सख्त दिशा निर्देश जारी किए।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान पशु चोर गिरोह के आधा दर्जन सदस्यों को चोरी की भैंस अवैध असहला नगदी सहित किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

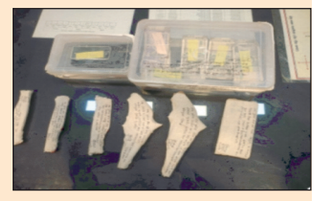

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़ मुक्तेश्वर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में पशु चोरी की घटना को अंजाम देने वाले पशु चोर गिरोह के शातिर किस्म के आधा दर्जन बदमाशों को चोरी की भैंस घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी अवैध असहला, चोरी किए गए। पशुओं की बिक्री कर प्राप्त किए गए 94100 रुपए की नगदी सहित गिरफ्तार करने का दावा किया है। आपको बता दें कि जिले में अपराधियों पर लगातार कमर तोड़ कार्यवाही करने को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान गढ़मुक्तेश्वर प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार के द्वारा अपनी तेज तर्रार पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ के दौरान बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में पशु चोरी की घटना को अंजाम देने का सफल अनावरण करते हुए। पशु चोर ग्रहों के आधा दर्जन सदस्यों को एक जिंदा भैंस दो अवैध तमंचे मय खोखा जिंदा कारतूस, तीन चाकू घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी चोरी कर पशुओं को बिक्री कर प्राप्त किए गए 94100 की नगदी बरामद की है। वही इस मामले को लेकर पुलिस क्षेत्र अधिकारी वरुण मिश्रा का कहना है कि गिरफ्तार किए गए। पशु चोर गिरोह के सदस्य शातिर किस्म के अपराधी हैं। जिन पर हापुड ,मेरठ, गाजियाबाद में चोरी लूट आर्म्स एक्ट आदि से संबंधित चार दर्जन मुकदमे पंजीकृत पाए गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

सहारनपुर बाबा लाल दास बाडा मंदिर के सेवादार की धारदार हथियार से हुई हत्या।

संस्कार उजाला

जिला सहारनपुर के थाना मंडी क्षेत्र स्थित बाबा लाल दास बाड़ा मंदिर में 65 वर्षीय सेवादार बहादुर की हत्या कर दी गई है। गुरुवार सुबह मंदिर परिसर में उनका शव पड़ा मिला। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक नेपाल का रहने वाला था और 35 वर्षों से मंदिर में सेवा कर रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि देर रात मंदिर में रहने वाले अन्य बाबाओं से बहादुर की कहासुनी हुई थी। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल इकट्ठा किए हैं।

सहारनपुर-गागलहेडी के पायस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में किये गए टेबलेट वितरण। राहुल

संस्कार उजाला

जनपद सहारनपुर के गागलहेडी में स्थित पायस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार को टेबलेट वितरण किया गया। इसमें आई टी आई में पास आउट 80 छात्रों को टैबलेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानगर विधायक राजीव गुंबर, पूर्व विधायक जगपाल सिंह, एडीएम एफ रजनीश मिश्र, पायस एजुकेशनल ग्रुप के सदस्य रवि गुप्ता व अध्यक्ष पंकज गर्ग द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महानगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टैबलेट प्रदान कर रही है, उन्होंने विद्यार्थियों से इसका उपयोग शिक्षण कार्य के लिए करने का आवाहन किया, पूर्व विधायक जगपाल सिंह ने कहा कि टैबलेट में पढ़ाई के लिए सभी ऑनलाइन पाठ्य सामग्री उपलब्ध है बल्कि शीघ्र ही छात्रों को टैबलेट से रोजगार संबंधित जानकारी भी प्राप्त होगी। एडीएम एफ रजनीश मिश्र ने कहा की सरकार टैबलेट देकर छात्रों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने का काम कर रही है। पायस एजुकेशनल ग्रुप के सदस्य व वरिष्ठ समाजसेवी रवि गुप्ता ने कहा कि अब बच्चों की शिक्षा तकनीकी ज्ञान पर आधारित हो गई है टैबलेट के माध्यम से छात्रों को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों को प्रबंधक पंकज गर्ग ने प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए उनका अभार व्यक्त किया, कार्यक्रम का संचालन फरीन व स्नेह ने किया इस अवसर पर जितेंद्र यादव, मनोज यादव, कुलदीप कुमार, विकास, पारुल सचदेवा,छवि ढिल्लों, नेहा वर्मा, रुचि शर्मा, मानसी, सुनीता, सारिका शर्मा, आदि मान्य गण उपस्थित रहे।

खुशी फाउंडेशन की तरफ से पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र व जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच। खुशी फाउन्डेशन की प्रबन्धक शाजिया खान के निर्देशन में प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुकीद के निर्देश पर एक समीक्षा बैठक प्रदेश कार्यालय लखनऊ में आयोजित किया गया। यहां पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र तथा जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। प्रदेश कार्यालय में समीक्षा बैठक के बाद राज रानी वर्मा को जिला प्रभारी लखनऊ, अलाउद्दीन खान को जिला उपाध्यक्ष लखनऊ, शबाना,अनीसा,शालू सदस्य, डौली,अंजुम,फहमीदा को खुशी फाउन्डेशन का सदस्य बनाया गया। कई अन्य महिलाओं को जिला कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुकीद ने बताया कि फाउन्डेशन गरीबों और जरूरतमन्दों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहता है।

मदरसे मे भूखे प्यासे बंद मिले निराश्रित गोवंश, रात मे पुलिस के पहुंचने पर छोड़ा

खुटार के कैहमरिया गांव का मामला, हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश अ के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे

संस्कार उजाला

खुटार। ग्राम पंचायत कैहमरिया मे कुछ लोगो ने तीन दिन पहले गांव के पूरब बनी मस्जिद के पास बंद पडे एक मदरसे के अंदर कमरे और बरामदे एक दर्जन से अधिक गोवंश को बंद करके बाहर से गेट मे कुंडा लगा दिया। तीन दिन से भूखे प्यासे बंद किए गए गोवंश की जानकारी बुधवार रात आठ बजे जब हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश अ के पदाधिकारियो को हुई, तो उन्होंने खंड विकास अधिकारी वीरेंद्र मिश्र से मामले की जानकारी की। लेकिन उन्होने गोवंशो को बंद किए जाने की बात से इंकार कर दिया। इसके बाद उन्होने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कार्यवाहक थानाध्यक्ष अशोक कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचते, इससे पहले ही गोवंश को बंद करने वाले लोगों ने गोवंश को मदरसे से खोल कर भगा दिया। इसी बीच रात साढे आठ बजे के करीब हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश अ के संस्थापक अध्यक्ष अवनीश मिश्र, संगठन मंत्री कमल दीक्षित, उपाध्यक्ष आनंद पटेल, अजय बाजपेई, राज सक्सेना, लव भदोरिया समेत कई लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने मदरसे के खंडहर भवन के अंदर पुलिस फोर्स के साथ पहुंचकर देखा, तो वहां पर गोवंशो को बांधे जाने के कई साक्ष्य मिले। इस पर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने गांव के लोगों को जमकर फटकार लगाई और कार्रवाई की चेतावनी दी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

स्कूलों में श्रमदान कराते हुए करें छात्रों को पुरस्कृत,प्लास्टिक एकत्र कर किया जाए बेंच का निर्माण,कैलाशपुर वेटलैंड की साफ-सफाई करने के दिए निर्देश

संस्कार उजाला **ब्यूरो**

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण, वृक्षारोपण और गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण 2024 के दौरान लगाए गए पौधों का पूर्ण निरिक्षण करने के बाद सुनिश्चित करे कि सभी विभागों को दिया गया टारगेट उनके द्वारा पूर्ण करा लिया गया है। जनपद में बायोमेडिकल वेस्ट का एकत्र करने वाली एजेंसी को निर्देशित किया गया कि जगह जगह कोई कचरा न डाला जाये लापरवाही करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन एजेंसीज को अपने गाड़ियों की संख्या बढ़ने हेतु भी निर्देशित किया गया। जनपद में चल रहे प्लास्टिक की शवयात्रा कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 95 क्विंटल, नगर निगम द्वारा 35 क्विंटल एवं अन्य निकायों द्वारा भी लगभग 60 क्विंटल प्लास्टिक इस माह में एकत्रित किया गया। आने वाले समय में बीएसए एवं डीआईओएस को भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत जोड़ने को कहा। मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि जनपद में हर महीने विभागों द्वारा प्लास्टिक का एकत्रण किया जाए जिससे पार्क में लगने वाली बेंच का निर्माण नगर निगम द्वारा करवाने के निर्देश दिए। सभी स्कूलों में माह में एक दिन श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाये। कैलाशपुर वेटलैंड की सफाई का कार्य भी आने वाले समय में जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा शुरू करने के निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत वेटलैंड को पहले के भांति पूर्ण रूप से सुरक्षित कर दिया जायेगा। बैठक में बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, डीएफओ शुभम सिंह, डीएफओ श्वेता सैन सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाकियू रक्षक का बढ़ा कुनबा

भाकियू रक्षक किसान मजदूर और व्यापारियों के हितों के संघर्षरत.. वीरेंद्र सिंह ओहलान

संस्कार उजाला

नागल/ सहारनपुर भारतीय किसान यूनियन रक्षक के राष्ट्रीय कार्यालय पर अन्य किसान यूनियनों से आए दर्जनों कार्यकताओं ने किसान यूनियन रक्षक की सदस्यता ग्रहण की। बस स्टैंड स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी वीरेन्द्र सिंह ओहलान ने कहा कि किसान यूनियन रक्षक किसान, व्यापारी और मजदूरों के हितों के लिए दिन रात कार्य कर रही है,इस कारण संगठन का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। जिला प्रभारी राहुल फौजी ने कहा विभिन्न किसान संगठनों को छोड़कर कार्यकर्ता किसान यूनियन रक्षक के सदस्य बन रहे है,यह बहुत गौरव का विषय है। संगठन किसान मजदूर और व्यापारियों की समस्याओं के लिए सदैव खड़ा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विपिन हांडा ने कहा संगठन किसान मजदूर व्यापारियों की हर समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में युवा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक उर्फ पोली के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों से आए एक दर्जन कार्यकताओं ने भाकियू रक्षक की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में मोहित गोयल, बिल्लू त्यागी, मनोज कुमार,संजीव विश्वकमा ,मोहम्मद कलीम, अभिषेक वर्मा ,खुशवंत सिंह, शुक्रम पाल , संकित कुमार,आर्यन कुमार ,हर्षित,उज्जवल कुमार, अक्षय ,रूपक चौधरी, निकुंज, उमेश कुमार नदीम उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने की खादी महोत्सव के लिए परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी की सराहना

आगामी वर्ष का आयोजन वृहद स्तर पर करने के लिए अभी से प्लानिंग करने के दिए निर्देश

संस्कार उजाला **ब्यूरो**

सहारनपुर मण्डलायुक्त डा० हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कम्पनी बाग में आयोजित किए गये खादी महोत्सव के लिए परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी एस०एल० अग्रवाल की सराहना करते हुये आगामी वर्ष का आयोजन वृहद स्तर पर किये जाने हेतु अभी से प्लानिंग करने के निर्देश दिये गये इस प्रदर्शनी में खादी ग्रामोद्योग, महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्प शिल्पियों / इकाईयों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों के 85 स्टाल लगाये गये है, जिनमें शहद, आयुर्वेदिक उत्पाद, विभिन्न प्रकार के अचार, आगरा निर्मित जूतें, पटियाला की जूती, महाराष्ट्र की रेशम की साडी, बनारस की साडी, विश्व प्रसिद्ध सहारनपुर निर्मित काष्ट का नक्काशीदार फर्नीचर, मुरादाबाद की पीतल की वस्तुयें एवं खादी वस्त्र आदि की बिकी की गयी। शहरवासियों द्वारा बढ चढकर प्रदर्शनी में लगाये गये स्टालों का भ्रमण कर खरीददारी की गयी। दिनांक 21.11.2024 तक प्रतिभागी इकाईयों द्वारा लगभग 1.20 करोड की बिकी की गयी, जो कि गत वर्ष के सापेक्ष 1.5 गुणा अधिक है। अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा कम्पनी बाग के परिसर में 08 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक खादी महोत्सव-2024-25 का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मा० राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जसवन्त सैनी द्वारा किया गया था।

गढ़ कोतवाली पुलिस ने युवती को ब्लैकमेल कर रेप करने एवं गर्भवती होने पर गर्भपात कराने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

वूमेन लीडरशिप इन डिस्ट्रिक्ट एडमिस्ट्रेशन विषय पर प्रस्तुत किया व्याख्यान

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच । कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गुड गवर्नेन्स थीम पर आयोजित 02 दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, फारेस्ट एण्ड फूड, छत्तीसगढ़ श्रीमती ऋचा शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित वूमेन लीडरशित इन डिस्ट्रिक्ट एडमिस्ट्रेशन सेशन के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा वूमेन लीडरशिप इन डिस्ट्रिक्ट एडमिस्ट्रेशन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने आकांक्षात्मक जनपद बहराइच को पिंक सिटी की संज्ञा देते हुए प्रशासनिक ढांचे की जानकारी देते हुए बताया कि जिस जनपद बहराइच से वह आयी हैं वहां की वह स्वयं जिलाधिकारी है तथा पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत अध्यक्ष, एम.एल.सी., विधायक सदर, विधायक बलहा, नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्ष, नगर मजिस्ट्रेट,

अधिशासी अधिकारी के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर महिलाएं विराजमान हैं, और अपने पदेन उत्तरदायित्वों को बखूबी अंजाम दे रही हैं। डीएम मोनिका रानी ने अभिनव पहल के रूप में जनपद में संचालित किये गये सेवा से संतृप्तिकरण अभियान की सफलता का जिक्र करते हुए अभियान के दौरान सोशल वेलफेयर, कृषि, पोषण एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्राम्य विकास, कौशल विकास, विद्युत, पेयजल, सिंचाई इत्यादि के क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने आकांक्षात्मक जनपद की भौगोलिक परिस्थिति, दर्शनीय एवं पर्यटन स्थलों तथा नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कृषि सेक्टर में अर्जित की गई उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि नीति आयोग की ओर से अब तक जनपद को 14 करोड़ रुपए की धनराशि इनसेंटिव के रूप में प्राप्त हो चुका है। महिला स्वावलम्बन तथा नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए डीएम मोनिका रानी ने बताया कि 02 अक्टूबर 2023 को गांधी जयन्ती के अवसर महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वः रोजगार कार्यक्रम (एस.ई.पी.आई.) अन्तर्गत चयनित तलाकशुदा निराश्रित 05 महिलाओं बिट्टा, सायरा, मेघा, शिव कुमारी व आरती को बैंकों से ऋण दिलाकर स्वावलम्बी बनाने के लिए उन्हें पिंक रिक्शा उपलब्ध कराकर अभिनव पहल की गई थी। उन्हीं महिलाओं में पिंक रिक्शा चालक आरती को 22 मई 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रिंस ट्रस्ट के द्वारा यू.के. रॉयल अवार्ड से नवाजा गया है। जिससे जिले की महिलाओं में स्वावलम्बन की प्रेरणा बलवती हुई है।

हाइकोर्ट व दो एआर के आदेशों के बावजूद भी नियुक्ति के लिए दर दर भटक रहा कार्मिक, पीड़ित कार्मिक ने जताई आत्मदाह की इच्छा

संस्कार उजाला

सहारनपुर जनपद सहारनपुर में सहकारिता विभाग में आजकल अधिकारियों के आदेशों का समिति संचालक मंडल पर कोई असर होता नहीं दिख रहा है या यूं कहे कि संचालक मंडल अपने आपको सुपर पावर समझकर उच्च न्यायालय और अधिकारियों के आदेशों की धज्जियां उड़ानें का कुकर्त्य कर रहे हैं। बताते चले कि किसान सेवा सहकारी समिति नागल में 2010 में सहयोगी के पद पर नियुक्त हुए कस्बा नागल निवासी रविकांत पुत्र जनेश्वर प्रसाद को 2016 में संचालक मंडल द्वारा बिना कोई नोटिस दिए अस्थाई बताकर सेवा समाप्त कर दी थी। जबकि उत्तर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी नियमावली 1975 के नियम 17 अनुसार अस्थाई कार्मिक की दशा में अधिकतम अवधि

दो वर्ष होगी और अगर कोई व्यक्ति लगातार पांच वर्ष तक विद्यमान है तो उस नियुक्ति को स्थाई मानी जाएगी। जिसपर तत्कालीन सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता हरिंद्र सिंह ने संज्ञान लेते हुए 14.05.2018 को बहाल कर दिया था। जिसपर तत्कालीन प्रभारी सचिव रामकुमार द्वारा हाइकोर्ट इलाहाबाद में याचिका दायर कर दी तथा 27.02.2024 जिसपर हाइकोर्ट इलाहाबाद ने याचिका पर स्टे वापस कर दिया। लेकिन फिर भी पीड़ित को नियुक्ति नहीं दी गई। स्टे होने पर तत्कालीन सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता (एआर) सूर्य नारायण मिश्र ने 01.04.2024 में कार्मिक को योगदान देने का आदेश जारी कर दिया लेकिन फिर भी नियुक्ति नहीं मिलने पर पीड़ित ने दोबारा सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता एआर रविशंकर का दरवाजा खटखटाया तो 07.09.2024 को उन्होंने संचालक मंडल को बैठक आयोजित कार्मिक से योगदान लेकर अवगत कराने का निर्देश जारी किया था। हैरत की बात है कि हाइकोर्ट इलाहाबाद व दो एआर केके आदेश जारी होने के बावजूद भी पीड़ित को संचालक मंडल से द्वारा नियुक्ति प्रदान नहीं की गई। सवाल यह उठता है कि क्या पीड़ित को जाती का दंश झेलना पड़ रहा या फिर संचालक मंडल द्वारा हाइकोर्ट व एआर जैसे जिम्मेदार अधिकारियों के आदेशों को ठेंगा दिखाकर राज्य सरकार की छवि को धूमिल की जा रही है। इस संबंध में जब संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता उदय भानु सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि एआर व समिति संचालक मंडल को बुलाया गया है जिसमें तारीख निर्धारित कर दी गई है और जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। वहीं नियुक्ति न मिलने से आहत रविकांत ने बताया परिवार संग आत्मदाह करने की बात कहते हुए एक पत्र जिलाधिकारी के कार्यालय में सौंप दिया जिसे देखते ही उपजिलाधिकारी डॉ. अपूर्वा शर्मा ने लेने से मना कर दिया।

शोभित विश्वविद्यालय गंगोह में एनसीसी दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन

संस्कार उजाला

संवाददाता सहारनपुर

गंगोह। शोभित विश्वविद्यालय गंगोह में रविवार को 86 वढ बटालियन एनसीसी व शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के संयुक्त तत्वाधान में शोभित विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में एनसीसी दिवस के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। गत वर्ष भी इस रक्त दान शिविर में शोभित विश्वविद्यालय, गंगोह, हिंदू राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, गंगोह, एच.आई.टी. कॉलेज, नकुड के लगभग 250 एनसीसी कैडेट्स व 100 से अधिक अन्य लोगो ने रक्तदान कर समाज हित में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस

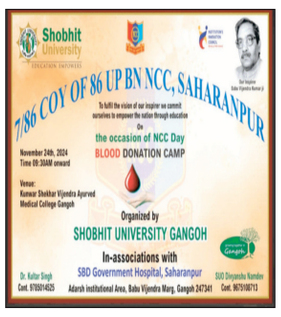

अवसर पर रक्तदान शिविर के सफल आयोजन हेतु अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह ने विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में शिक्षकों व एनसीसी कैडेट्स को रक्तदान शिविर से पूर्व रक्तदान शिविर के सन्दर्भ में प्रेरित किया, ताकि अधिक से अधिक रक्तदान शिविर में लोग रक्तदान कर सके, आगे कुलपति प्रो.(डॉ.) रणजीत सिंह ने रक्तदान के फायदे बताते हुए सभी को कहा कि रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बच सकती है और रक्तदान करने से रक्तदाता को भी फायदा होता है। रक्तदान न केवल समाज के लिए बल्कि देशहित के लिए भी लाभकारी सिद्ध होता है। इस रक्तदान शिविर के अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के कुलसचिव प्रो.(डॉ.) महिपाल सिंह, संस्था के केयर टेकर सूफी जहीर अख्तर ने भी रक्तदान शिविर के आयोजकों को अग्रिम शुभकामनाएं दी और कहा कि नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी होती है, इसलिए सभी लोगो को अधिक से अधिक संख्या में इस तरह के रक्तदान शिविर में जाकर रक्तदान करना चाहिए और सभी को इसके लिए प्रेरित भी करना चाहिए। इस अवसर पर शोभित विश्वविद्यालय गंगोह के एनसीसी यूनिट के इंचार्ज सीटीओ अनिल जोशी कैंप को विधिवत क्रियान्वित करने हेतु एनसीसी कैडेट्स व विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रेरित कर रहे है, व रक्तदान शिविर को सफल बनाने का कार्य कर रहे है।

कोल्डवेव से पशुओं को बचाने के लिए पशुपालन विभाग ने जारी की एडवाइजरी,पशुओं की सुरक्षा के लिए सतर्क रहें: सीवीओ

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने कड़ाके की ठंड (कोल्डवेव) के दौरान पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पशुओं को ठंड के प्रकोप से बचाने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता है। पशुओं को दिन में धूप में रखने और रात से सुबह तक काऊकोट या झोले का उपयोग करके ढकने की सलाह दी गई है। पशुशाला को ठंडी हवा से बचाने के लिए तिरपाल लगाना चाहिए, साथ ही दरवाजे, खिड़कियां और रोशनदान को टाट या बोरे से ढक देना चाहिए। पशुओं को पर्याप्त मात्रा में ताजा और स्वच्छ पानी पिलाने पर जोर दिया गया है। ठंड बढ़ने पर गुनगुने पानी का भी उपयोग किया जा सकता है। कोल्डवेव के कारण पशुओं की श्वसन दर में कमी आ सकती है और शरीर का तापमान 99 डिग्री से. से 100 डिग्री से. तक हो सकता है। ऐसे में पशुओं को कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और अन्य आवश्यक दवाएं दी जानी चाहिए। ठंड के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखना आवश्यक है। पशुओं को खुरपका-मुंहपका, एचएस, बकरियों में पीपीआर, ईटी और स्वाइन फीवर जैसी बीमारियों से बचाने के लिए पशु चिकित्सालय में उपलब्ध टीके अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि रात में पशुओं को खुले स्थान पर न रखें और ठंडे पानी से नहलाने से बचें। पशु बाड़े की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने का आग्रह करते हुए उन्होंने बताया कि गोबर और मूत्र के निकास की उचित व्यवस्था करें और बाड़े को सूखा रखें। पशुओं को संतुलित आहार दें और उनके भोजन में खली, दाने और अजवाइन-गुड़ का उपयोग बढ़ाएं। ठंड लगने की स्थिति में तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें। पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध हैं। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि वे ठंड से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति सतर्क रहें और किसी भी समस्या के लिए पशु चिकित्सा अधिकारियों से संपर्क करें।

सहारनपुर जिले की चीनी मिलों पर पिछले वर्ष का 82 करोड़ व चालू गन्ना सीजन का 160 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया-भगत सिंह वर्मा।

योगी सरकार गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल तत्काल घोषित करेंहै-भगत सिंह वर्मा।

संस्कार उजाला /**ब्यूरो**

सहारनपुर /महानगर में पेपर मिल रोड कार्यालय पर एक बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि सहारनपुर जिले की चीनी मिलों पर पिछले वर्ष का अभी भी 82 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया है। और पिछले वर्षों में देरी से किए गए गन्ना भुगतान पर लगा ब्याज जिले के चीनी मिलों पर 600 करोड रुपए बकाया है। वर्ष 2024-25 गन्ना सीजन का गन्ना भुगतान जिले की चीनी मिलों पर 160 करोड रुपए गन्ना भुगतान बकाया हो गया है। जिसे दिलाने के लिए भाजपा की योगी सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। भाजपा का 14 दिन में गन्ना भुगतान कराने का दावा खोकला और झूठा साबित हो रहा है। 14 दिन तो दूर 14 महीने में भी चीनी मील गन्ना किसानों को भुगतान नहीं दे रही है। गन्ना किसान अपने बच्चों की फीस भी नहीं दे पा रहे हैं। और गर्म कपड़े भी नहीं खरीद पा रहे हैं। गन्ना खेती घाटे की खेती हो गई है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ना उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। कृषि यंत्र खाद बीज कीटनाशक दवाई लेबर डीजल जीएसटी के कारण महंगी खरीदने के कारण गन्ने की उत्पादन लागत 550 रुपए कुंतल हो गई है। दिल्ली लुटियंस जोन में बैठे बड़े नेता और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी व उनकी सरकार के मंत्रीगण जवाब दे की₹370 कुंतल गन्ने की कीमत में कैसे गन्ना किसान अपने खर्चे पूरे करें और बैंकों का कर्ज लौटा सके। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ने की उत्पादन लागत को देखते हुए भाजपा की योगी सरकार प्रदेश में गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल घोषित करके गन्ना किसानों को बचाएं। भगत सिंह वर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति जी और प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश में हो रही गन्ना किसानों की लूट पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर कार्रवाई करें और स्वेत पत्र जारी कराए। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही गन्ना किसानों की लूट की सीबीआई से जांच कराई जाए। उत्तर प्रदेश सरकार गन्ना किसानों के बल पर प्रतिवर्ष 50 हजार करोड़ रुपये एक्साइज ड्यूटी के रूप में सीधा वसूल रही है। जबकि प्रदेश के करोड़ों गन्ना किसानों को मात्र 35000 करोड रुपए गन्ना भुगतान भी समय से नहीं करा पा रही है। गन्ने से शिरा और सिरे से अल्कोहल और अल्कोहल से हजारों उत्पाद बनाए जा रहे हैं जिन पर जीएसटी और टैक्स मिलकर एक लाख करोड रुपए से अधिक प्रतिवर्ष योगी सरकार आम जनता से वसूल रही है। भगत सिंह वर्मा ने भाजपा की योगी सरकार चीनी मिल मालिकों प्रबंध तंत्र गन्ना विभाग और प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही चीनी मिलों से बकाया गन्ना भुगतान व ब्याज नहीं दिलाया गया और गन्ने का लाभकारी मूल्य ₹700 कुंतल तत्काल घोषित नहीं किया गया तो प्रदेश के गन्ना किसान सड़कों पर जाकर बड़ा आंदोलन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन वर्मा के प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी ने की और संचालन आसिम मलिक ने किया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष राव शाहिद प्रधान प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल प्रदेश सचिव रिशिपाल गुर्जर प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद जहीर तुर्की मंडल उपाध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह बंटी प्रदेश सचिव डॉक्टर परविंदर मलिक राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रजत शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी दुष्यंत सिंह तबरेज मलिक मोहम्मद अकमल गौड़ मोहम्मद फैज जोगिंदर सिंह महबूब हसन हरपाल सिंह रविंद्र प्रधान अजीत सिंह प्रधान अजीत सिंह एडवोकेट मोहम्मद ताहिर हाजी बुद्धू हसन हाजी साजिद हाजी सुलेमान आदि ने भाग लिया।

सीतापुरः हल्दी के दिन दूल्हा-दुल्हन की मौत

लड़की के घर में फंदे से लटके मिले शव, परिजनों का आरोप- जीजा ने मारकर लटकाया

सीतापुर । हल्दी की रस्म के बीच दूल्हा-दुल्हन ने जान दे दी। लड़की के घर में दोनों का शव फंदे पर लटका मिला। 25 नवंबर को दोनों की शादी थी। शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा रखा था। घटना गुरुवार दोपहर सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के मिठौरा गांव की है। दूल्हे के मामा सुनील ने बताया- गुड्डू बुधवार रात लड़की के घर गया था। गुरुवार सुबह घर में हल्दी की रस्म चल रही थी। खुशी में परिजन नाच-गा रहे थे। इसी दौरान परिजनों ने देखा कि रुचि के कमरे में उसका और गुड्डू का शव चादर के फंदे के सहारे लटक रहा है। दोनों के पैर जमीन को छू रहे थे। शव की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लड़के के परिजनों ने लड़की के जीजा पर हत्या करके लटकाने का आरोप लगाया है। एसपी साउथ प्रवीन रंजन सिंह ने बताया- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रथम दृष्ट्या मामला सुसाइड का लग रहा है। बरगदिया गांव के गुड्डू (25) का मिठौरा गांव की रुचि (18) से 3 साल से प्रेम संबंध था। दोनों परिवार के लोग रिश्ते के लिए राजी थे। गुड्डू का आए दिन रुचि के घर आना जाना था। गुड्डू मजदूरी करता था। मामा सुनील ने बताया- दोनों परिवारों की रजामंदी से गुड्डू और रुचि की सीएम सामूहिक विवाह योजना के तहत 24 नवंबर को शादी होने वाली थी। शादी की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। लेकिन, किसी कारणवश प्रशासन ने विवाह योजना की डेट आगे बढ़ा दी। इसके बाद परिजनों ने 25 नवंबर को गांव के ही मंदिर में शादी करने का निर्णय लिया। सुनील ने बताया- दोनों परिवारों में शादी की रस्म शुरू हो गई थी। गुरुवार को दोनों की हल्दी होनी थी। दोनों परिवारों में तय हुआ था कि लड़की के घर पर ही हल्दी की रस्म होगी। इसके लिए गुड्डू बुधवार रात को ही रुचि के घर पहुंच गया था। गुरुवार सुबह हल्दी की रस्म के बीच दोनों का शव एक ही कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने बताया कि घटना से दो-तीन दिन पहले रुचि के जीजा से गुड्डू का विवाद हुआ था। दरअसल, वह इस शादी के खिलाफ था। लड़के के परिजनों का आरोप है कि रुचि के जीजा ने ही दोनों की हत्या कर शवों का फंदे से लटका दिया, ताकि इसे आत्महत्या का रूप देकर पुलिस को गुमराह किया जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी दक्षिण प्रवीन रंजन सिंह और महमूदाबाद सीओ सतीश चंद्र शुक्ला मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच पड़ताल की। फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। एएसपी दक्षिण ने कहा- प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। अब तक परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई होगी।

लखनऊ में गर्लफ्रेंड के सामने लगाई फांसी, मौत

लखनऊ । प्रेमिका के सामने प्रेमी ने फांसी लगा ली। इसके बाद प्रेमिका ने भी नींद की गोलियों का ओवरडोज लेकर जान देने की कोशिश की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वहीं लड़की युवती को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला पारा इलाके में स्थित एक होटल का है। परिजन और दोस्त तलाशते हुए एक होटल के पास पहुंचे तो युवक की बाइक मिली। होटल में पूछताछ करने पर पता चला की युवक एक लड़की के साथ कमरे में रुका है। दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला तो मास्टर की से लॉक खोला गया। कमरे में युवक पंखे के सहारे प्रेमिका के दुपट्टे से फांसी पर लटका था, जबकि युवती बेड पर बेसुध पड़ी थी। पारा के डॉक्टर खेड़ा का रहने वाला अभिषेक वर्मा (25) और उसकी गर्लफ्रेंड पुरानी डीजल टंकी के सामने होटल क्राउन इन में बुधवार दोपहर पहुंचे थे। देर रात घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने फोन किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिजन और दोस्तों ने इलाके में खोजबीन शुरू की। होटल क्राउन इन के सामने दोस्तों को युवक की बाइक मिली थी। परिजनों का कहना है कि अभिषेक की शादी तय हो चुकी थी। दिसंबर में शादी होनी थी। इसकी जानकारी पर उसकी प्रेमिका ब्लैकमेल करने लगी थी। वह इस सबसे परेशान हो गया था। लड़की ने ही बेटे को आत्महत्या के लिए मजबूर किया है।

उद्योगों को खड़ा करने के लिये बैंक लोन देने में टालमटोल न करें: जिलाधिकारी

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में व्यापार और उद्योग बन्धुओं के साथ जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मीटिंग हाल में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापारी बंधुओं की परेशानियों को सुनकर उनके नियमानुसार निस्तारण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर क्षेत्र,बाजार में अन्ना पशुओं के घूमने से दुर्घटनाओं की आशंका रहती है इसलिए अभियान चलाकर नगर क्षेत्र में घूमने वाले अन्ना पशुओं को गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर, बाजार में अन्ना पशु घूमते हुए नहीं पाए जाने चाहिए। बाजारों में नियमित रूप से प्राथमिकता के साथ नाली की सफाई, सिल्ट सफाई सहित सिल्ट का उठान होना चाहिए जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग किसी भी दशा में ना हो इस पर उद्गम स्थल पर ही प्रवर्तनीय करवाई किया जाए । विद्युत विभाग कैंप लगाकर बिजली से जुड़ी परेशानियों का निस्तारण करे। रोडवेज बस स्टैंड में जाम न लगे इसका खास ख्याल रक्खा जाए। नगर क्षेत्र में एसडीएम ,ईओ सहित पुलिस विभाग संयुक्त तौर से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाये। उद्योग बंधु की बैठक में जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल के प्रकरणों एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की पीएम रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत किए जाने वाले आवेदनों को किसी भी दशा में पेंडिंग ना रखा जाए ,उनको नियमानुसार स्वीकृत कर समय से डिस्बर्स किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर सुविधाएं दी जाएं तथा निवेश व निर्यात गतिविधियों को बढ़ाने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं। बैंकों द्वारा उद्योगों की स्थापना हेतु ऋण देने में टालमटोल ना किया जाए ,न ही अनावश्यक रूप से ऋण आवेदन निरस्त किए जाए। जनपद में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं, इससे जनपद में रोजगार तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। कहा कि उद्यमियों की हर संभव मदद की जाए। बैठक में एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक,एसडीएम राठ अभिमन्यु कुमार,एसडीएम मौदहा राजकुमार गुप्ता, जीएमडीआईसी रवि वर्मा सहित अधिकारी और व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे ।

गोरखपुर में बनेगा हाई-टेक डोमेस्टिक हेजार्डस प्लांट

7 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा हाईटेक प्लांट, खतरनाक कचरे का होगा निस्तारण

गोरखपुर । सहजनवा क्षेत्र के सुथनी ग्रामसभा में 40 एकड़ भूमि पर इंटीग्रेटेड गारबेज सिटी परियोजना के तहत एक अत्याधुनिक डोमेस्टिक हेजार्डस प्लांट की स्थापना की जा रही है। इस प्लांट के निर्माण का मुख्य उद्देश्य घरेलू खतरनाक कचरे का सुरक्षित निपटान और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परियोजना के तहत भूमि पूजन संपन्न हुआ। प्लाजा तकनीक पर आधारित इस प्लांट का निर्माण, संचालन और रखरखाव श्ऊड फैसेलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म को सौंपा गया है। भूमि पूजन के दौरान फर्म की डिप्टी उएड नीतिका पाण्डेय ने बताया कि एक साल के भीतर प्लांट का संचालन शुरू हो जाएगा। करीब 7 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाला यह प्लांट प्रतिदिन 5 टन घरेलू खतरनाक कचरे का निपटान करेगा। नगर निगम के मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि यह परियोजना गोरखपुर को ह्लगारबेज फ्री सिटीह्व का दर्जा दिलाने के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। इसके अलावा, प्लांट कचरे के सुरक्षित निपटान, रिसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण के साथ मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। घरेलू खतरनाक कचरा उन उत्पादों से बनता है, जो विषैले, ज्वलनशील या विस्फोटक होते हैं। इनमें पेंट, पेंट थिनर, कीटनाशक, उर्वरक, गैसोलीन, बैटरी, फर्नीचर पॉलिश, ड्रेन ओपनर और ओवन क्लीनर जैसे पदार्थ शामिल हैं। इनका अनजान तरीके से उपयोग न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इन उत्पादों के सुरक्षित निपटान के अभाव में ये मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित कर सकते हैं। फर्म की डिप्टी उएड नीतिका पाण्डेय ने कहा कि प्लांट का निर्माण एक साल के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। निर्माण के बाद अगले दो वर्षों तक फर्म को इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह प्लांट गोरखपुर के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा और क्षेत्र में कचरा प्रबंधन की दिशा में एक नई क्रांति लेकर आएगा। मुख्य अभियंता संजय चौहान के मुताबिक, यह प्लांट पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। घरेलू खतरनाक कचरे का सुरक्षित निपटान न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि रिसाइक्लिंग और कचरे से संसाधन पुनर्प्राप्ति की प्रक्रिया को भी बढ़ावा देगा। परियोजना के तहत सटीक निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा, जिससे कचरा प्रबंधन को पूरी तरह वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया जा सके।

लखनऊ में कार ने स्कूटी को आधा किमी घसीटा

लखनऊ । एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी। घटना के बाद स्कूटी कार के बोनट में फंस गई, जिसे कार सवार आधा किलोमीटर तक घसीट कर ले गया। घटना एफअईआर इलाके में आउटर रिंग रोड किसान पथ पर हुई। बाइक सवार अन्य युवकों ने कार का पीछा कर वीडियो बना ली और पुलिस को सूचना दी। मौके पर कल्ली पश्चिम पुलिस चौकी प्रभारी प्रभात बलियान, रजित मिश्रा और कॉन्स्टेबल शिवम चौधरी टीम के साथ पहुंचे। कार सवार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे हैं।

छह साप्ताहिकी उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम शुभारंभ

संवाददाता

कुशीनगर। सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, ईडीआईआई, अहमदाबाद के शाखा कार्यालय द्वारा कुशीनगर स्थित वत्स कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर में छः साप्ताहिकी उद्यमिता सह कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनको उद्यमिता के मुख्य विषयों जैसे- उद्यमि. के गुण, उद्यमी बनने के लाभ, उद्यम अवसरों की पहचान एवं उनका चयन, उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया, समस्या समाधान, विपणन, किस कार्य के लिए किससे मिले , के.वी.आई.बी के.वी.आई.सी एवं जिला उद्योग केन्द्र बैंक आदि के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाएं, ऋण प्रक्रिया, उपलब्धि प्रेरणा, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, लेखा एवं आय प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, कुशीनगर के सहायक प्रबंधक श्री के एम पांडेय ने अपने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित वत्स इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के निदेशक मनोज कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण चला रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप ई.डी.आई.आई. द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का पूरा लाभ उठा सकेंगे और अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। उन्होंने पूर्व में अपने यहां आयोजित इसी प्रकार के कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि ईडीआईआई बार अकाउंटेंसी पर आधारित कार्यक्रम चलाया गया था। उक्त कार्यक्रम में भाग लेने वाले कई प्रतिभागियों ने अपना स्वयं का कार्य शुरू कर दिया है, जिन्हें मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। इसी प्रकार आप भी सफल हों। यही मेरी कामना है। ई.डी.आई.आई. के परियोजना अधिकारी विजय कुमार पांडेय ने कहा कि परंपरागत रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे युवक-युवतियों को नौकरी मिलना काफी कठिन होता है। ऐसे में स्वरोजगार करके हम न केवल अपने लिए रोजगार सृजित करेंगे बल्कि दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। वही इस कार्य में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई के महानिदेशक प्रोफेसर सुनील शुक्ला जी का पैतृक निवास भी कुशीनगर जिले में है और उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि हमारे देश और प्रदेश के साथ-साथ कुशीनगर के लोग भी अधिक से अधिक उद्यमिता को अपनाएं और स्थानीय स्तर पर स्थानीय संसाधनों के माध्यम से स्वरोजगार विकसित करें। इससे युवाओं का पलायन रोकने में भी मदद मिलेगा।

संक्षिप्त डायरी

गैंगस्टर एक्ट के तीन गुनाहगारों को चार-चार साल की सख्त सजा के साथ ही पन्द्रह हजार रुपये का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

एडीजीसी- सुशील कुमार त्रिपाठी

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 2008 में दर्ज हुये गैंगस्टर एक्ट के मामले में जरिया थाना क्षेत्र के ग्राम पथखुरी निवासी अभियुक्त देवेन्द्र, हरसहाय सहित प्रमोद को हमीरपुर के एफटीसी फर्स्ट गैंगस्टर अदालत के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने चार- चार साल की सख्त सजा के साथ ही पन्द्रह हजार रुपये का किया जुमार्ना, जबकि इस मामले की जांच फतेहपुर डीसीआरबी के तत्कालीन एस आई रमेश चन्द्र ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। गौरतलब है कि जरिया थाना क्षेत्र ग्राम पथखुरी निवासी अभियुक्त देवेन्द्र पुत्र बाबूराम, हरसहाय पुत्र रामकुमार दर्जी सहित प्रमोद पुत्र जगराम अहिरवार के खिलाफ गिरोह बनाकर अपने साथियों के भौतिक और आर्थिक फायदे के लिये आम लोगों में डर और खौफ पैदा करने के मामले में जरिया थाने में अ०सं०-1475/2008 धाराझ2/3 गैंगस्टर के तहत 23 अक्टूबर 2008 को मामला दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत 20 नवंबर 2024 को हमीरपुर की एफटीसी फर्स्ट गैंगस्टर कोर्ट के स्कालर जज मनोज कुमार शासन ने तीनों अभियुक्तों को गुनाहगार मानते हुये चार-चार साल की सख्त सजा के साथ ही पांच-पांच हजार रुपये का किया जुमार्ना। जबकि गैंगस्टर एक्ट के इस संगीन मामले में अभियोजन की तरफ से दमदार पैरवी करते हुये एडीजीसी सुशील कुमार त्रिपाठी ने अदालत से तीनों अभियुक्तों को सख्त सजा देने की मांग की थी।

चार साल की सख्त सजा के साथ ही ग्यारह हजार का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सदर कोतवाली में अ०सं०-290/2022 धाराझ376,450,323,506 आईपीसी सहित 3(2)5,3(1)द एससीएसटी एक्ट में रमेड़ी डाडां निवासी अभियुक्त किशन यादव पुत्र गनेश यादव के खिलाफ 20 सितंबर 2022 में पीड़ित के घर में घुसकर जातिसूचक लफ़्जों के इस्तेमाल के साथ ही जान से मारने की धमकी देने के मामले में दर्ज किया गया था, जबकि आपरेशन कंविक्शन के तहत 20 नवंबर 2024 को हमीरपुर की एससीएसटी एक्ट अदालत के स्कालर जज सुशील कुमार खरवार ने अभियुक्त किशन यादव को धारा-452,323,506 आईपीसी सहित 3(2)5, एससी/एसटी एक्ट के तहत गुनाहगार मानते हुये चार साल की सख्त सजा के साथ ही ग्यारह हजार रुपये का किया जुमार्ना। हालांकि इस मामले की जांच पूरी करते हुये तत्कालीन सीओ सदर रवि प्रकाश ने अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से इस मामले की जबरदस्त पैरवी करते हुये विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने अदालत से अभियुक्त को सख्त सजा देने की मांग की थी।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अवैध असलहे के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम कछवाकलां निवासी 24 वर्षीय अभियुक्त हिमांशु पुत्र कैलाश राजपूत, जबकि 27 वर्षीय अभियुक्त रामनरेश पुत्र चन्द्रशेखर राजपूत को एक अवैध देशी तमंचा, जबकि 3 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि पकड़े गये दोनों अभियुक्तों के खिलाफ जरिया थाने में मु०अ०सं० 298/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, जबकि अदालत ने दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया है। जबकि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से दिलीप श्रीवास्तव, एस आई रोहित यादव सहित हैड कांस्टेबल शिवेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

मदद कर 5 साल की बच्ची की बचाएं जानः पिता ने लोगों से की अपील

बस्ती । बनकटी स्थित देउमी गांव के पंकज कुमार अपनी पांच साल की बेटी की जान बचाने के लिए भटक रहे हैं। बिटिया गंभीर किडनी की बीमारी से जूझ रही है। अब तक के इलाज में पंकज की सारी जमा-पूंजी खत्म हो चुकी है। आर्थिक तंगी से बेहाल पिता ने अब लोगों और सरकार से मदद की गुहार लगाई है। बिटिया की हालत दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। इलाज के लिए मेरे पास अब एक भी पैसा नहीं बचा। मुख्यमंत्री और सभी लोगों से विनती करता हूं कि मेरी बच्ची को बचाने में मदद करें,₹ पंकज ने रुंधे गले से कहा। पंकज की बेटी पिछले तीन साल से किडनी की गंभीर समस्या से जूझ रही है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि छह महीने तक दिल्ली में अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। इस दौरान बच्ची का डायलिसिस भी हुआ। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज, एम्स, और लखनऊ जैसे बड़े अस्पतालों में इलाज कराने के बाद भी कोई खास सुधार नहीं हुआ। अब डॉक्टरों ने दिल्ली रेफर कर दिया है। पंकज बताते हैं कि सबसे पहले बच्ची का इलाज जिला अस्पताल में शुरू हुआ था। यहां हालत बिगड़ने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज और फिर एम्स भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

हमारे नेता कतर छोड़ नहीं गए तुर्की, इजरायल के दावे पूरी तरह से अफवाह- हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने उन खबरों का खंडन किया है जिनमें दावा किया गया था कि उसके कुछ नेता कतर से तुर्की चले गए हैं। एक आधिकारिक बयान में, हमास के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इजरायली मीडिया द्वारा फैलाए गए दावे पूरी तरह से अफवाहें हैं जिन्हें इजरायल समय-समय पर बढ़ावा देने का प्रयास करता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रविवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी कि विदेश में स्थित हमास के कई नेता हाल ही में कतर से तुर्की चले गए हैं। इससे पहले सोमवार को तुर्की के विदेश मंत्रालय ने इजरायली मीडिया की रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के तुर्की में स्थानांतरित होने के दावे सच्चाई को नहीं दर्शाते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गाजा में तत्काल युद्धविराम लागू करने और मध्य पूर्व में परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील की। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यूएन चीफ ने यह बात परमाणु हथियारों और अन्य सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त मध्य पूर्व क्षेत्र की स्थापना- विषय पर सम्मेलन के पांचवें सत्र में एक वीडियो संदेश में कही। गुटेरेस ने कहा कि इस तरह के क्षेत्र का विचार दशकों पुराना है, लेकिन क्षेत्रीय संघर्षों और तनावों के चरम पर पहुंचने के साथ, यह लक्ष्य दिन-प्रतिदिन और अधिक जरूरी होता जा रहा है। यूएन महासचिव ने कहा कि एक साल से अधिक समय से गाजा एक विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में लेने की चेतावनी दे रहा है। इस बीच हम सभी लेबनान में बढ़ते तनाव से चिंतित हैं। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है और हजारों फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इसके साथ ही इजरायली सेना 23 सितंबर से लेबनान पर एयर स्ट्राइक कर रही है। उसने सीमा पार एक सीमित जमीनी अभियान भी चलाया है, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर हिजबुल्लाह को कमजोर करना है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की पूर्व सीईओ बनेंगी अमेरिका की शिक्षा मंत्री, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार विभागों का बंटवारा कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शिक्षा विभाग का जिम्मा लोकप्रिय डब्ल्यूडब्ल्यूई यानी वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट की सीईओ और पेशेवर कुश्ती खिलाड़ी लिंडा मैकमोहन को सौंपा है। इससे पहले वह अरबपति एलन मस्क समेत कई बड़े नामों को सरकार का काम सौंप चुके हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने मैकमोहन को शिक्षा विभाग का मंत्री नामित किया है। हालांकि, इससे पहले भी वह ट्रंप सरकार का हिस्सा रह चुकी हैं। मैकमोहन ने 2017 से 2019 तक ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान लघु व्यवसाय प्रशासन का नेतृत्व किया था। वह कनेक्टिकट में अमेरिकी सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दो बार चुनाव लड़ीं लेकिन असफल रहीं। मैकमोहन ने 2009 से एक साल तक 'कनेक्टिकट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' में काम किया और कनेक्टिकट में 'सेक्रेड हार्ट यूनिवर्सिटी' के 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' में कई साल बिताए। शिक्षा जगत में उन्हें अपेक्षाकृत अज्ञात माना जाता है, हालांकि उन्होंने 'चार्टर स्कूलों' और 'स्कूल चॉइस' के लिए समर्थन व्यक्त किया है। अमेरिका में 'चार्टर स्कूल' सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्कूल होते हैं जो अपने स्थानीय जिले से स्वतंत्र रूप से संचालित होते हैं। 'स्कूल चॉइस' शिक्षा के विकल्पों को दर्शाता है जिसके तहत छात्रों और परिवारों को सार्वजनिक स्कूलों के विकल्प चुनने की अनुमति मिलती है। मैकमोहन ने अमेरिकी सीनेट के चुनाव के लिए 2009 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। उन्हें ट्रंप के लिए बड़ा डोनेशन देने वालों में गिना जाता है।

तीसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडराया, यूरोपीय देशों ने भोजन, पानी जमा करने को कहा

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे ने आपातकालीन पुस्तिकाएं भी जारी कीं जिसमें लोगों को संपूर्ण युद्ध सहित किसी आपातकालीन स्थिति में एक सप्ताह तक प्रबंधन करने की सलाह दी गई। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को खतरनाक रूप से बढ़ाते हुए, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार देर रात रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। इसे मॉस्को द्वारा एक बड़े उकसावे के रूप में देखा जाएगा और एक जोरदार जवाबी कार्रवाई की संभावना है। कई नाटो देश अपने नागरिकों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कह रहे हैं। परमाणु युद्ध का खौफनाक खतरा पहले से कहीं ज्यादा नजदीक नजर आ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस सीमा को कम कर दिया जब रूस परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकता था। यह तब हुआ जब यूक्रेन ने रूस के अंदर लक्ष्यों पर लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। नाटो देशों ने युद्ध की आशंका गहराने की आशंका को भांपते हुए अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए, जिसमें उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी गई।

ब्रिटेन में हजारों किसानों ने ट्रैक्टरों सहित संसद के बाहर किया प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। हजारों ब्रिटिश किसानों ने मंगलवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने एक नए कर नियम के खिलाफ आवाज उठाई। उनका कहना है कि यह नियम पारिवारिक खेती को बर्बाद कर देगा। किसान बैनर, टॉय ट्रैक्टर और नारों के साथ सड़कों पर उतरे। सरकार के फैसले से गुस्साए किसानों का कहना है कि अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। सरकार ने हाल ही में बजट में एक पुराने कर छूट नियम को समाप्त करने का फैसला किया है। यह नियम कृषि भूमि को इनहेरिटेंस टैक्स से छूट देता था। अप्रैल 2026 से, 10 लाख पाउंड (लगभग 13 करोड़ रूपए) से अधिक मूल्य वाली कृषि भूमि पर मालिक की मृत्यु के बाद इसे अगली पीढ़ी को देने पर 20 प्रतिशत टैक्स लगेगा। किसानों का कहना है कि यह नियम उनके लिए अंतिम झटका साबित होगा। प्रदर्शन के सह-आयोजक ओल्ली हैरिसन ने कहा, हर कोई नाराज है। हम सड़कों को जाम करने और फ्रांस के किसानों जैसे विरोध की तैयारी में हैं। किसानों ने डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ ट्रैक्टरों पर द फाइनल स्ट्रॉ और नो फार्मर्स, नो फूड जैसे नारों के पोस्टर लगे हुए थे। बच्चों ने छोटे ट्रैक्टरों के साथ संसद स्क्वायर के आसपास मार्च निकाला। मशहूर टीवी होस्ट और किसान जेरेमी क्लार्कसन भी इस रैली में शामिल हुए। 1,800 किसानों को नेशनल फार्मर्स यूनियन (एनएफयू) ने संसद के अंदर जाकर सांसदों से बात करने का मौका दिया। एनएफयू के अध्यक्ष टॉम ब्रैडशॉ ने कहा, यह नीति ब्रिटेन की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। किसानों का कहना है कि ब्रेक्सिट, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक अस्थिरता के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है। अब यह नया कर नियम उनके लिए असहनीय है। किसानों की औसत आय पहले से ही कम हो गई है। उदाहरण के लिए, मवेशी पालने वाले किसानों की औसत आय केवल 17,000 पाउंड (21 लाख रूपए) है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि 75 प्रतिशत किसानों पर यह कर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, कई छूट के कारण किसान दंपति अपनी संपत्ति का 30 लाख पाउंड (39 करोड़ रूपए) तक टैक्स-मुक्त हस्तांतरण कर सकते हैं। पर्यावरण मंत्री स्टीव रीड ने कहा, यह कर उन अमीर लोगों से वसूला जाएगा जिन्होंने निवेश के लिए कृषि भूमि खरीदी है। इससे युवा किसानों के लिए जमीन खरीदना महंगा हो गया है। किसानों का कहना है कि कृषि भूमि का कागजी मूल्य अधिक हो सकता है, लेकिन उनकी वास्तविक आय बहुत कम होती है। अगर यह नियम वापस नहीं लिया गया।

रूस के भीतर लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल के विरोध में स्लोवाकिया, पीएम फिको ने की अमेरिकी फैसले की आलोचना

ब्राटिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने सोमवार को यूक्रेन द्वारा रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों के इस्तेमाल करने का विरोध किया है। यह जानकारी स्लोवाकिया गणराज्य की समाचार एजेंसी (टीएएसआर) ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि यूक्रेन संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी प्रशासनिक नीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत बाइडेन ने कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। एसोसिएटेड प्रेस, द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट सहित अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने दो अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस हरी झंडी से यूक्रेनी सेना को अमेरिका निर्मित एटीएसीएमएस मिसाइलों को पहली बार उपयोग करने की अनुमति मिल जाएगी। टीएएसआर की रिपोर्ट के अनुसार, फिको ने देश के विदेश मंत्री जुराज ब्लानर और रक्षा मंत्री रॉबर्ट कालिनाक को इस कदम का समर्थन न करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालय ने फिको के हवाले से कहा, यह तनाव में अभूतपूर्व वृद्धि है। बता दें कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की हरी झंडी दे दी। अमेरिकी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया की ओर से युद्ध में मास्को की मदद के लिए हजारों सैनिकों की कथित तैनाती के जवाब में यूएस प्रेसिडेंट ने यह फैसला लिया है। सोल और वाशिंगटन दोनों ने इस बात का दावा कर रहे हैं कि रूस के पश्चिमी सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की लंबे समय से यह मांग करते आए हैं कि रूस के अंदर लक्ष्यों को भेदने के लिए कीव को आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। एटीएसीएमएस 300 किमी (186 मील) तक जा सकती हैं।

रूस ने भारत-चीन संबंधों के लिए समर्थन दोहराया, कहा- हर संभव तरीके से योगदान करने के लिए तैयार

मास्को, एजेंसी। पेसकोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना बनाई जा रही है, फिलहाल तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेसकोव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम उनकी यात्रा की सटीक तारीखों पर काम करेंगे। बेशक, प्रधान मंत्री मोदी की दो रूस यात्राओं के बाद, अब हमारे पास राष्ट्रपति की भारत यात्रा है, इसलिए हम इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह यात्रा 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए मास्को की प्रतिबद्धता दोहराई। पेसकोव ने कहा कि हम दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए तैयार हैं। एएनआई से बात करते हुए, पेसकोव ने रूस के तटस्थ रुख पर जोर दिया और रूस के कज़ान में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया द्विपक्षीय बैठक के दौरान एक मेजबान के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला। हमें खुशी है कि दोनों नेताओं को कज़ान में अपनी द्विपक्षीय बैठक करने का अवसर मिला। यह दुनिया में हर किसी के लिए वास्तव में अच्छी खबर थी। लेकिन फिर, यह भारत और चीन की एक द्विपक्षीय पहल थी।

पूर्व कनाडाई पीएम हार्पर ने ट्रूडो सरकार को फटकारा, कहा- खालिस्तानियों और जिहादियों को बढ़ावा देना बंद करो

टोरंटो, एजेंसी। पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने कनाडा की ट्रूडो सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि वह खालिस्तानियों और जिहादियों जैसे विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करे। हार्पर, जो 2006 से 2015 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे, ने कनाडा की आव्रजन और विदेशी नीतियों की तीखी आलोचना की। हार्पर ने यह टिप्पणी अब्राहम ग्लोबल पीस इनिशिएटिव (एजीपीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने एजीपीआई के संस्थापक और सीईओ एवी बैनलो के साथ चर्चा की। बैनलो ने नेशनल पोस्ट में प्रकाशित अपने लेख में हार्पर के बयान को उद्धृत करते हुए लिखा कि हार्पर ने कहा, हमें जिहादियों, यहूदी विरोधियों, खालिस्तानियों, तमिल टाइगर्स और अन्य विभाजनकारी समूहों को बढ़ावा देना बंद करना होगा। हमें अपनी आव्रजन प्रणाली पर सख्त सवाल उठाने की जरूरत है कि हम लोगों को कैसे चुनते हैं।

हार्पर का यह बयान ऐसे समय आया है जब कनाडा और भारत के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत थे, लेकिन वर्तमान में दोनों के बीच तनाव बढ़ गया है। तनाव तब बढ़ा जब कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों पर आरोप लगाए। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया और ट्रूडो से सबूत मांगे, जो उन्होंने अभी तक पेश नहीं किए हैं। हार्पर ने खालिस्तानी मुद्दे को कनाडा की नीतियों का हिस्सा बनाने पर सवाल उठाया और कहा कि आव्रजन नीति में सुधार की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यहां विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा न मिले। हम अपने समाज में पुराने नफरतों को नहीं ला सकते। इसे रोकने के लिए हमें कदम उठाने होंगे। वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों के बारे में कहा कि वे पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत समर्थक हिंदू भी पूरे हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। हालांकि, ट्रूडो को खालिस्तानी समूहों के प्रति नरम रुख रखने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। हार्पर ने कनाडा की आव्रजन नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नीति उन लोगों को शामिल कर रही है जो विभाजनकारी और हिंसक विचारधारा रखते हैं। उन्होंने एजीपीआई कार्यक्रम में यह भी कहा कि कनाडा को अपनी नीतियों को संतुलित करना होगा ताकि बहुसंस्कृतिवाद के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा, भारत के जी-20 अनुभव से बहुत कुछ सीखा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इंसियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि ब्राजील ने दो दिवसीय जी-20 रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारत के अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी की दूसरे और अंतिम दिन की बैठक के शुरुआत में म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में द्विपक्षीय बैठक में उनका स्वागत किया।

बैठक के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और पिछले वर्ष जी-20 के आयोजन के लिए उन्हें बधाई दी। लूला ने कहा कि ब्राजील ने रियो शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए भारतीय अनुभव से बहुत कुछ सीखा है। बैठक के दौरान, राष्ट्रपति लूला ने 2025 में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की यात्रा

करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को अगले साल राष्ट्रपति लूला और प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी और वह 2025 में ब्राजील की राजकीय यात्रा की दिशा में काम करेंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति लूला के साथ बातचीत की। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। हमने अपने देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों का मूल्यांकन किया और ऊर्जा, जैव ईंधन, रक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने जी-20 के कार्य को जारी रखने और समूह के एजेंडे के मुद्दों पर प्रगति के लिए ब्राजील की अध्यक्षता की प्रशंसा की। दोनों नेताओं ने जैव ईंधन, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की। रियो शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष के जी-20 नई दिल्ली शिखर सम्मेलन की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाता है, जहां विशेष रूप से उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। बैठक में ब्राजील के मंत्री माउरो विएरा (विदेश मामले), फर्नांडो हद्दाद (वित्त), एलेक्जेंडर सिल्वेरा (खान और ऊर्जा), लुसियाना सैंटोस (विज्ञान और प्रौद्योगिकी), साथ ही विकास, उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के कार्यकारी सचिव मार्सिओ एलियास रोजा ने भी भाग लिया।

पोलियो के खिलाफ पाकिस्तान की लंबी लड़ाई का अंत नहीं, सक्रिय मामले 50 तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पोलियो को जड़ से मिटाने के लिए पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों से नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में सक्रिय पोलियो मामलों की कुल संख्या 50 तक पहुंच गई। अब तक बलूचिस्तान से कम से कम 24 मामले, सिंध से 13, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) से 11, पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं। मंगलवार को एक बच्ची में वाइल्ड पोलियोवायरस (डब्ल्यूपीवी1) पाया गया, जो केपी के टैंक जिले से पोलियो वायरस का दूसरा मामला है।

पाकिस्तान के कुछ क्षेत्रों में पोलियो टीकाकरण अभियान का विरोध भी हो रहा है और यहां तक ??कि स्वास्थ्य कर्मियों पर भी हमला हुआ है जिसमें लोगों की जान भी गई। टारगेटेड अटैक के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखने के कारण, पोलियो टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से चलाना लगभग असंभव हो गया है, जिससे बच्चों के संक्रमित होने की संभावना बढ़ गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के विभिन्न भागों में पोलियो के मामलों में उत्साहजनक गिरावट देखी गई है। हालांकि उसने चेतावनी दी है कि नवीनतम मामलों का पता चलना एक खतरनाक और चिंताजनक संकेत है। यह दर्शाता है कि कई जिलों में बच्चे अभी भी जोखिम में हैं। पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान, दुनिया के दो ऐसे देश हैं जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। अतीत में, पाकिस्तान ने सालाना 300 मिलियन से अधिक ओरल वैक्सीन लगाए हैं। लेकिन यह बीमारी देश में अभी भी व्याप्त है।

कई विश्लेषकों ने पोलियो वायरस के प्रसार को संभालने में पाकिस्तान सरकार की निरंतर नाकामी पर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान के प्रति विरोध तब बढ़ा जब अमेरिकी जासूसी एजेंसी सीआईए ने देश में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन का पता लगाने के लिए एक फर्जी हेपेटाइटिस टीकाकरण अभियान चलाया।

दुनिया के सबसे वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक, बिन लादेन को 2011 में केपी के एबटाबाद में यूएस नेवी सील के ऑपरेशन में मार दिया गया। कई धार्मिक नेताओं का यह भी मानना ??है कि पोलियो टीकाकरण की बूंदों में सूअर का मांस और शराब के अंश होते हैं, जो इस्लाम में निषिद्ध है।

पाकिस्तान की अदालत ने दंगों को लेकर पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी पर तय किए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और 20 अन्य लोगों के खिलाफ नौ मई 2023 के दंगों के संबंध में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उपाध्यक्ष कुरैशी ने सोमवार को कोट लखपत जेल में सुनवाई के दौरान तय किए गए आरोपों को बेबुनियाद करार दिया और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ये मामले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेतृत्व को दबाने के लिए गढ़े गए हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं पर आरोप तय किए गए हैं उनमें पीटीआई की पंजाब इकाई के अध्यक्ष यास्मीन रशीद, सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद, पूर्व सांसद आलिया हमजा, रूबीना जमील तथा सोशल मीडिया कार्यकर्ता सनम जावेद शामिल हैं। सुनवाई की अध्यक्षता आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश मंज़र अली खान ने की। एक विशेष अभियोजक ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें थाने पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को आग लगाने और कानून प्रवर्तन कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार जैसे आरोप शामिल थे। अदालत के अधिकारी के मुताबिक, सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार किया और खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के पास अपने दावों को पुष्ट करने के लिए सबूतों का अभाव है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 25

नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया।

नौ मई 2023 को खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिन्ना हाउस (लाहौर कोर कमांडर हाउस), मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन समेत एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। पत्रकारों से बात करते हुए कुरैशी ने खान के प्रति अपनी निष्ठा जताई। खान अगस्त 2023 से 200 से अधिक मामलों को लेकर जेल में बंद हैं। कुरैशी ने इन मामलों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इन्हें पीटीआई नेतृत्व को दबाने और उन्हें अवैध रूप से जेल में रखने के लिए गढ़े गए हैं। कुरैशी ने पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों से 24 नवंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह रैली राजनीतिक कैदियों की आजादी, स्वतंत्र न्यायपालिका की बहाली और इमरान खान की रिहाई के लिए है।

ईरान में जेल में बंद नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ीं : तेहरान, एजेंसी। ईरान में जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी एक जटिल सर्जरी से गुजरीं, जिसके तहत उनके दाएं पैर की एक हड्डी का कुछ हिस्सा कैंसर की आशंका के चलते हटा दिया गया। हालांकि, अधिकार समूहों के मुताबिक, नरगिस को सर्जरी के महज दो दिन बाद वापस जेल भेज दिया गया, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को भेजे गए 40 से अधिक अधिकार समूहों के हस्ताक्षर वाले एक पत्र में नरगिस को उन आरोपों में सुनाई गई जेल की सजा से तत्काल चिकित्सकीय फर्लो पर रिहा करने का आग्रह किया गया है।

सिरसा के रानियां में स्कूल वेन पर ताबड़तोड़ फायरिंग, नाबालिग सहित 4 लोग घायल

सिरसा । सिरसा के रानियां में स्कूल वेन पर सरेआम गोलियां चलाने का मामला सामने आया है । पुरानी रंजिश और साइड नहीं देने पर पिता और पुत्र ने स्कूल वैन पर फायरिंग की । आरोपी पिता पुत्र घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार है । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हमलावरों की तलाश में जुट गई । जानकारी के मुताबिक यह घटना सिरसा के नगराना थेड गांव के पास की है । यह विवाद गाड़ी और ट्रैक्टर के करोसिंग के वक़्त हुआ । विवाद बढ़ने पर आरोपी पिता पुत्र ने गोलियां आरोपी पिता पुत्र घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार है । स्कूल वैन में दर्जनों बच्चे सवार थे । घटना में एक स्कूली बच्चे सहित 4 लोग बुरी तरह से घायल है । सभी को सिरसा के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है ।

पानीपत : 40 लाख रुपये के साथ आरोपी गिरफ्तार, गैंगरेप मामले में समझौते के लिए थे पैसे

पानीपत । जिले में दुष्कर्म मामले में आरोपियों को ब्लैकमेल कर समझौता करवाने के नाम पर 45 लाख रुपये जबरन वसूलने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है । पुलिस ने आरोपी के पास से 40 लाख रुपये बरामद किए हैं । आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सीआईए वन पुलिस टीम ने कार्रवाई की है । आरोपी की पहचान नेमपाल निवासी काबड़ी के रूप में हुई ।

ये है मामला

इस मामले को लेकर एसपी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि गत दिनों एसपी ऑफिस में थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र के व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया था कि उसके भतीजों के खिलाफ 22 अक्टूबर को थाना पुराना औद्योगिक में नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप किया और फिर जान से मारने की धमकी दी । इस मामले में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था । लेकिन केस दर्ज होने के 2 या 3 दिन के बाद काबड़ी निवासी नेमपाल अपनी पत्नी के साथ उससे और उसके भाई से मिलकर कहने लगा वह केस में फैसला करवा देगा, जिसकी एवज में उन्हें पैसे देने पड़ेंगे । जब पैसे देने से इनकार किया तो आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि पैसे नहीं दिए तो तुम्हारें लड़कों को जेल से निकलने नहीं देंगे । डर के मारे उन्होंने पैसे देने की हां भर दी । आरोपी नेमपाल 31 अक्तूबर को गांव में एक प्रापर्टी डीलर के ऑफिस में आया और समझौते की एवज में 1 करोड़ रुपये की मांग की । लेकिन उन्होंने इतने पैसे देने से मना कर दिया । इसके बाद 50 लाख में सौदा तय हुआ । मौके पर उन्होंने उसे 45 लाख रुपये दिए । आरोपी नेमपाल अब फिर उनसे 5 लाख रुपये मांग रहा है । आरोपी धमकी दे रहा है की जब तक 5 लाख रुपये नहीं दोगे तो वह मुकदमा वापस नहीं लेंगे । इससे हमारा पूरा परिवार दशहत में है ।

आरोपी का पहले भी आपराधिक रिकार्ड : एसपी

इस मामले में एसपी ने कहा कि पुलिस ने आरोपी को काबड़ी फ्लाईओवर पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया है । उन्होंने कहा कि आरोपी के पास 40 लाख रुपये की नकदी बरामद की है । उन्होंने कहा कि पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया उसने 5 लाख रुपये कर्ज चुकाने के लिए दे दिए हैं । उन्होंने कहा कि आरोपी का पहले भी आपराधिक रिकार्ड होना पाया गया है । आरोपी के खिलाफ अवैध शराब तस्करी, मारपीट, धोखाधड़ी, जानलेवा हमला व अपहर्ण का प्रयास करने मामले के कुल 13 अभियोग दर्ज है । इनमें 12 अभियोग पानीपत के थाना माडल टाउन, थाना पुराना औद्योगिक, थाना शहर में व 1 अभियोग यूपी के शामली जिला में दर्ज है । इनमें अधिकतर मामले माननीय न्यायालय में विचारीधीन है ।

10 दिन तक महिला रहीं डिजिटल अरेस्ट इसके बाद क्या हुआ यह जान कर उड़ जाएंगे होश

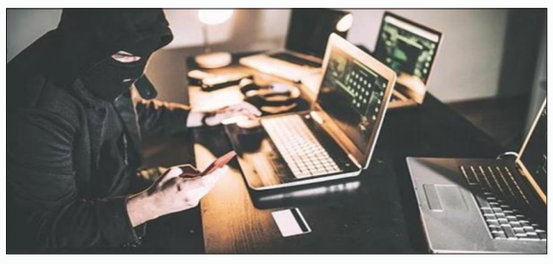

यमुनानगर । देश में आजकल एक ठगी का नया तरीका चल निकला है, जिसके माध्यम से सीबीआई , ई डी के अधिकारी बनकर लोगों को डरा धमका कर उनसे पैसे वसूले जाते हैं । ऐसा ही एक अलग तरह का मामला यमुनानगर में सामने आया है, जिसमें एक महिला को 10 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया । यमुनानगर की महिला ने साइबर थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया कि 9 नवंबर को उनके पास एक कॉल आया कि हम सीबीआई वाले बोल रहे हैं । आपका आधार कार्ड पर एक सिम जारी हुआ है, जिसमें अकाउंट खोलकर 68 करोड़ की हेरा फेरी की गई है । इसलिए आपको इसमें गिरफ्तार किया जाता है । अधिकारी ने कहा कि आप डिजिटल अरेस्ट होना चाहते हैं या फिजिकल तो, महिला ने डिजिटल अरेस्ट होने की बात कही, जिस पर सीबीआई बने पुलिस अधिकारियों ने उन्हें वीडियो कॉल ऑन रखने की आदेश दिए और कहीं भी आने जाने पर पाबंदी लगा दी ।अगर वह बैंक में गई तो उस दौरान भी वीडियो कॉल ऑन रुखी गई । 9 नवंबर से 19 नवंबर तक लगातार यह सिलसिला जारी रहा और इस दौरान कुल 13 लाख से अधिक की राशि सीबीआई के अधिकारी बने लोगों ने विभिन्न अकाउंट में ट्रांसफर करवा दी । इसके लिए बाकायदा सीबीआई के लेटर हेड पर उन्हें व्हाट्सएप पर लेटर भी भेजा गया । साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया । इसके बाद उन्होंने तुरंत उस ट्रांजैक्शन को सीज करने के लिए विभिन्न बैंकों और अन्य सिस्टम से अनुरोध किया । साइबर थाना प्रभारी में लोगों से अपील की कि वह डिजिटल अरेस्ट अथवा अन्य ऐसे किसीभी नए तरह के फॉड को लेकर किसी झांसे में ना आए और इसकी सूचना तुरंत पुलिस अथवा साइबर थाना को दें । उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई नियम नहीं है ,अभी सीबीआई ईडी अधिकारी बनकर अपने आप को ऑफिस में दिखाकर वीडियो कॉल के माध्यम से इस तरह के ब्लैकमेल के मामले सामने आ रहे हैं । जिसमें डॉक्टर रिटायर्ड कर्मचारियों अधिकारियों को टारगेट किया जाता है, ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए ।

कुमारी शैलजा ने सीएम नायब सैनी को लिखा पत्र, कर दी बड़ी मांग

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या और इलाज की सीमित सुविधाएं एक गंभीर मुद्दा है। सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला जैसे जिलों में कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे मरीजों और उनके परिवारों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि हरियाणा के सभी जिलों के सिविल अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इससे न केवल मरीजों को प्रदेश में ही उचित इलाज मिल सकेगा, बल्कि उनका समय और संसाधन भी बचेगा।

सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में कहा कि हरियाणा में कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ रही है। विशेष रूप से घग्गर नदी के किनारे पड़ने वाले जिले जैसे सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला में सिविल अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपलब्धता के साथ-साथ समुचित उपचार के अभाव में रोगी अपनी बहुमूल्य जान गंवा रहे हैं। बताया गया है कि हरियाणा में हर महीने लगभग 1500 कैंसर रोगी कैंसर से मर रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा है कि उनके संसदीय क्षेत्र सिरसा, जिसमें घग्गर नदी के किनारे पड़ने वाले सिरसा, फतेहाबाद जिले शामिल हैं। इन जिलों के कैंसर रोगियों को या तो पीजीआई रोहतक/ चंडीगढ़/राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर में इलाज के लिए जाना पड़ता है, जहां रोगियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण उन्हें अपनी बारी और भर्ती होने आदि के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है। उनके पास हरियाणा और हरियाणा से बाहर के निजी अस्पतालों जैसे बीकानेर, जयपुर, दिल्ली में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता, जो आम आदमी के लिए काफी महंगा है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा सरकार को सभी कैंसर प्रभावित/प्रभावित जिलों के नागरिक अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए, ताकि उन्हें न केवल उचित और समय पर इलाज मिल सके। उनकी जान भी बच सके और उन पर आर्थिक बोझ भी कम हो। उन्होंने आशा व्यक्त

करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री इस गंभीर चिंता के मामले पर गौर करेंगे और कैंसर रोगियों के व्यापक हित में जल्द से जल्द कैंसर प्रभावित जिलों के सभी नागरिक अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए उचित कदम उठाएंगे।

'हमारी चिंता छोड़ें, पहले अपना नेता चुन लें', कृष्ण लाल पवार का हुड्डा पर तीखा कटाक्ष

रोहतक । मौजूदा सरकार के दौरान हुई पहली परिवेदना समिति की बैठक में रोहतक परियोजना समिति के अध्यक्ष विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार ने अधिकारियों को सीधी चेतावनी दे डाली है। उनका कहना है कि विभाग अध्यक्ष को परिवेदना समिति की बैठक में मौजूद रहना अनिवार्य है, अन्यथा सस्पेंड कर दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अधिकारी सहयोग करें और जो काम करेगा उसे सम्मान मिलेगा। वहीं मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपना विधानसभा प्रतिपक्ष नेता ही नहीं बन पा रही तो भाजपा पर सवाल उठाने का उनका कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ने कहा कि विकास एवं

कृष्ण लाल पंवार ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपना विधानसभा प्रतिपक्ष नेता ही नहीं बन पा रही तो भाजपा पर सवाल उठाने का उनका कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास एवं पंचायत मंत्रालय उनके पास है और मंत्रालय ने यह फैसला लिया है कि प्रदेश के 1000 गांव में पहले फेज के दौरान सभी फिरनी पक्की की जाएगी और स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएगी।

उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान द्वारा ईवीएम हैक करने के मामले पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने व अपनी हार की कसक को शांत करने के लिए ईबीएम का राग अलाप रही है। उन्हें अब तो सपने में भी ईबीएम दिखाई दे रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि 1000 गांव में ई लाइब्रेरी भी बनेगी ताकि युवा उनमें पढ़ कर बिना खर्ची पर्ची रोजगार ले सकें। अवैध खनन को लेकर भी मंत्री कृष्ण लाल पवार सख्त नजर आए और उन्होंने कहा कि अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स अवैध खनन को रोकने के लिए काम करेंगे।

अनिल विज का दावा: महाराष्ट्र व झारखंड में बीजेपी बनाएगी सरकार, कांग्रेस के ईवीएम हैक के आरोपों पर भी किया पलटवार

अंबाला । (अमन कपूर) = महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव के बाद अब एग्जिट पोल आ गए है और एग्जिट पोल में महाराष्ट्र में NDA को बढ़त मिलती नजर आ रही है तो वहीं झारखंड में कांटे की टक्कर दिखाई जा रही है जिस पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकार बनने का दावा किया है। बता दें कि जब हरियाणा में चुनाव हुए थे और सभी एग्जिट पोल कांग्रेस की सरकार बनती बता रहे थे, तब भी अनिल विज ने हरियाणा में पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार बनाने का दावा किया था जो सच भी साबित हुआ था।

ईवीएम कांग्रेस का जीने का सहारा है- विज

कांग्रेस ने एक बार फिर से हरियाणा में 14 सीटों पर ईवीएम हैक करने का आरोप लगाया है और आज इसको लेकर कांग्रेस पार्टी हाईकोर्ट में जा रही है जिसपर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि ईवीएम कांग्रेस का जीने का सहारा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ईवीएम का नाम लेके रोते रहेंगे और तो उनके पास कुछ है नहीं और ये तो हर चुनाव में होता है, जब भी कांग्रेस हारती है तो ईवीएम को लेकर रोती है।

कुलदीप बिश्नोई की नाराजगी पर बोले विज

बता दें कि कुलदीप बिश्नोई बीजेपी पार्टी से नाराज चल रहे है और उन्होंने बीजेपी के सदस्यता अभियान मीटिंग में जाने से इनकार कर दिया है जिस पर

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि कुलदीप बिश्नोई बड़े नेता है और कोई नाराजगी वाली बात नहीं है।

रक्त का कोई विकल्प नहीं साधु राम जाखड़ स्वर्गीय दीपक जाखड़ की पुण्यतिथि पर आईटीआई बरवाला में लगाया रक्तदान शिविर

संस्कार उजाला

हरियाणा/ हिसार (गरिमा) : स्वर्गीय दीपक जाखड़ की पुण्यतिथि के अवसर पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बरवाला के प्रांगण में रक्तदान शिविर एचडीएफसी बैंक बरवाला के सहयोग से लगाया गया` इस रक्तदान शिविर में अग्रोहा मेडिकल ब्लड बैंक ऑफिसर रिचा नैन के नेतृत्व में ब्लड बैंक महाराजा अग्रसेन अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा रक्त एकत्रित करने संबंधी सेवाएं दी गई। जिसमें आई.टी.आई स्टूडेंट, स्टाफ और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों व शहर के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा रक्तदान करते हुए 94 रक्तदाताओं द्वारा अपनी -अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया गया` इस शिविर में राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय शिवपुरी वन में कार्यरत तीन अध्यापकों रविंद्र लोहान, ओमपाल व रविंद्र जांगड़ा द्वारा रक्तदान किया गया` हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य साधु राम जाखड़ ने सभी रक्तदाताओं और आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और रक्तदान के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि रक्तदान कर हम जहां एक और किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे आत्म संतुष्टि मिलती है हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए` उन्होंने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं होता है` आपके द्वारा दिए गए रक्त से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है` इस दौरान रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया` इस मौके पर. प्राचार्य प्रवीण डाबला, सहप्राचार्य नीरज कुमार, जयपाल वर्मा, दीपक कुमार, अशोक जांगरा, महावीर सिंह, एचडीएफसी बैंक प्रबंधक राजेश कुमार, मनोज कुमार, जोगिंदर सिंह,सज्जन कुमार, पवन कुमार,सतीश कुमार,बजिंद्र कुमार,राज कुमार, सचिव जिले सिंह, राकेश कुमार, अनु कुमार, नेहा देवी, सुनीता जाखड़ , जिले सिंह शेखावत , उर्मिला बूरा, नीलम सूंडा व ऑपरेशन मैनेजर राजेश कुमार आदि मौजूद रहे ।

प्रधानमंत्री के पानीपत कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव विवेक जोशी ने उपायुक्त से की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह से तैयार: उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) : हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी ने बुधवार को भारतीय जीवन बीमा निगम के 9 दिसंबर के पानीपत के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त डॉ.वीरेन्द्र कुमार दहिया के साथ विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विशेष तौर पर पार्किंग, जनसुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बात की। मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर किसी तरह की कोर कसर नहीं बचनी चाहिए। हमारे पास बेहतरीन करने के लिए काफी समय है। हमें इस कार्यक्रम में मेहनत करके इसे सफल बनाना है। उपायुक्त ने मुख्य सचिव को आश्वस्त किया कि हम कार्यक्रेम की सफलता को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है। उपायुक्त ने बताया कि सैक्टर 13-17 का चयन कार्यक्रम

के लिए किया गया है। स्थल का वे निरीक्षण करके जायजा ले चुके है। कार्यक्रम स्थल कार्यक्रम के दृष्टिगत सही है। संभवतय कार्यक्रम स्थल के साथ में दो पार्किंग बनाई जाएगी जहां 1 हजार से ज्यादा बसों की व्यवस्था होगी। संभवतय अलग अलग स्थानों पर दो हैली पैड हैं। जिनका वे मुआयना कर चुके है। कार्यक्रम के दृष्टिगत दोनों हैली पैड कार्यक्रम के अनुकूल है। उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर वे पूरी तरह से निश्चिंत है। कार्यक्रम में प्रदेश भर से महिलाएं शिरकत करेंगी। महिलाओं के बैठने के लिए 35 हजार से ज्यादा कुर्सियों की व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर शौचालय, पानी की विशेष व्यवस्था की जा रही है। सभा स्थल में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि दूर -दराज से अपने वाहनों को लेकर आने वालों के लिए संभवतया 31 एकड़ में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी जिसमें एक एकड़ में वीआईपी की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में पहुंचने वालों को रिफ्रेसमैंट दिया जाएगा इसके लिए फूड पैकेट की व्यवस्था की जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि संभवतय कार्यक्रम की गरिमा को देखते हुए 2 या 3 स्टेज बनाये जाएंगे। जिसमें एक स्टेज सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए होगा। दो ऐंकर कार्यक्रम में ऐंकरिंग करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता को लेकर आस पास के जिलों के एसएसजी की महिलाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि कार्यक्रम की कवरेज को लेकर मीडिया के आईकार्ड बनायें जाएंगे। मीडिया के अलावा अन्य 8 तरह के परिचय पत्र भी कार्यक्रम की सुविधा को देखते हुए बनायें जाएंगे। उपायुक्त ने मुख्य सचिव को आश्वस्त किया कि वे पूर्व के कार्यक्रमों से भी बेहतर कार्यक्रम सफलतापूर्वक करायेंगे। इसको लेकर वे गंभीर है व उनका पूरा ध्यान कार्यक्रम की सफलता पर केंद्रित है। इस मौके पर पूर्व सासंद संजय भाटिया, एसपी लोकेंद्र सिंह, एडीसी डॉ.पंकज, जिला परिषद के सीईओ नरेन्द्र पाल मलिक, सीटीएम टीनू पोसवाल, पब्लिक हैल्थ के अधीक्षक अभियंता कर्ण बहल, डीएफओ विजय लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में नए जिले बनने पर ब्रेक, सरकार ने लगाई रोक...

चंडीगढ़ । हरियाणा में नए जिले, उपमंडल और तहसील बनने को लेकर उठ रही चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है । अब जनगणना के बाद ही इस संबंध में आगे कार्रवाई शुरू की जाएगी । जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में जनगणना शुरू होगी, तब तक सरकार ने प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव पर रोक लगा दी है । वित्तायुक्त राजस्व और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जनगणना का कार्य पूरा होने तक जिला, तहसील और कस्बों की प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव पर रोक लगा दी है । बता दें कि गोहाना, हांसी, असंध, मानेसर और डबवाली को लंबे समय से जिला बनाने की मांग उठाई जा रही है, जबकि कलानौर और बवानी खेड़ा उपमंडल बनने की दौड़ में शामिल हैं । प्रशासनिक सीमाओं के पुनर्गठन से पहले जून में तत्कालीन कृषि मंत्री कंवर पाल गुर्जर की अध्यक्षता में गठित कमेटी का भी नए सिरे से गठन किया जाएगा । इस कमेटी में तत्कालीन वित्त मंत्री जेपी दलाल, पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा और शहरी निकाय मंत्री सुभाष सुधा शामिल थे, लेकिन इनमें से महिपाल ढांडा को छोड़कर सभी मंत्री चुनाव हार चुके हैं । इसके चलते प्रदेश सरकार को कमेटी का पुनर्गठन करना होगा ।

सिरसा को सीएम ने दी मेडिकल कॉलेज की नायाब सौगात, 1010 करोड़ की लागत से तैयार होगा कॉलेज

सिरसा । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सिरसा में बाबा सरसाईनाथ राजकीय मेडिकल मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री कुमारी आरती राव ने की। इस मौके पर डेरा बाबा सरसाईनाथ के महंत सुंदराईनाथ, सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, हलोपा सुप्रीमो गोपाल कांडा, उडीसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, स्वास्थ्य विभाग की एसीएस सुमित्रा मिश्रा, डॉ. साकेत कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य गणमान्यों ने मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन किया। इससे पहले सीएम नायब सिंह सैनी ने पौधरोपण भी किया है।

इसके पश्चात अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा सरसाईं नाथ जी एक महान संत थे। जिन्होंने शाहजहां के बेटे दारा शिकोह को जीवनदान दिया। उनके नाम पर सिरसा में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में आने वाला हर मरीज निरोग होकर जाएगा। उन्होंने कहा कि करीब 21 एकड़ भूमि में 1010 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज तैयार होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सिरसा में साढ़े पांच एकड़ भूमि पर कैंसर ट्रीटमेंट सेंटर भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया जारी है । प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या 15 हो गई है। 10 साल में डबल इंजन की सरकार ने बेहतर काम किया है। पहले हरियाणा में काम धीमा था। मेडिकल कॉलेज भिवानी का काम लगभग पूरा हो चुका है। डबल इंजन की सरकार ने विकास की रफ्तार को बढ़ाया है। फरीदाबाद, पंचकूला, रेवाड़ी में नर्सिंग कॉलेज खोले गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर गरीब व्यक्ति को निशुल्क चिकित्सा सेवा मिले।

अब हर गरीब परिवार को मेडिकल सेवाएं मिल रही हैं। पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा योजना दी जा रही है। हरियाणा में चिरायु हरियाणा योजना शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 70 आयु की उम्र के बुजुर्गों के लिए इलाज मुफ्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हरियाणा में भी योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि अपने बच्चों को नशे से दूर रखें। किसान भाई पेस्टिसाइड का उपयोग कम करें, हमें प्राकृतिक खेती का रास्ता अपनाना चाहिए।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में 'निपुण कार्यशाला' की बैठक आयोजित

किसी भी कार्य को करने के लिए कार्य के प्रति उत्साह और रूचि आवश्यकः जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह विभिन्न तरीकों से कार्य को सकुशल सम्पन्न कराना, आपकी कर्त्तव्यनिष्ठाः जिलाधिकारी

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

गाज़ियाबाद अध्यापक की जिम्मेदारी है निपुण छात्र व निपुण विद्यालय बनानाः इन्द्र विक्रम सिंह दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में "निपुण कार्यशाला" का शुभारम्भ जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल व बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन करते हुए किया गया। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बैठक में उपस्थित गणमान्यों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया और कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए उसके प्रति उत्साह और रूचि होना आवश्यक है। इसलिए सभी अध्यापक बच्चों को पढ़ाने के लिए अपने अन्दर उत्साह, जोश और रूचि लायें। जिससे आपके अन्दर बच्चों को भिन्न,भिन्न तरीकों से पढ़ाने के नये,नये तरीके सर्जन होंगे। तभी आप लोग समझ पायेंगे की कमजोर या देर से समझने वाला या ना समझ पाने वाले विद्यार्थियों को कैसे पढ़ाया जाये। जब आप समझ जायेंगे की किसी छात्र को किसी विधि से पढ़ाना है तो हर एक छात्र निपुण छात्र व हर एक विद्यालय निपुण विद्यालय होगा। अतः छात्रों को देखे और समझे कि छात्र की रूचि किस प्रकार की है और तब आप उसे समझायेंगे तो वह जरूर समझेगा और तब आपका वह कमजोर विद्यार्थी निपुण विद्यार्थी बनेगा। आपके द्वारा विभिन्न तरीकों से छात्रों को निपुण बनाया जाना ही आपकी कर्त्तव्यनिष्ठा है। अध्यापक की जिम्मेदारी है कि वे अपने शिष्यों सहित विद्यालय को निपुण विद्यालय बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने ह्यसहयोगात्मक पर्यवेक्षण ह्न को प्रभावशाली बनाने के लिए एआरपी'एस द्वारा उचित फीडबैक और मार्गदर्शन देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जनपद में एआरपी, एसआरजी, बीईओ'एस ने मिलकर जनपद में सरानीय काम किया है। उन्होंने एआरपी'एस का प्रोत्साहन किया और निपुण के अंदर ज़िले की प्रगति को प्राथमिकता देने को कहा। साथ ही साथ उन्होंने विभाग को एनएटी और एनएएस परीक्षा से सम्बंधित तैयारियां और परिणाम पर ध्यान देने और सुचारु रूप से परीक्षा कराने का निर्देश दिया। ओ. पी. यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिभागियों को ह्यमिशन मोडह्न पर दृढ निश्चय के साथ काम करने के लिए निर्देश दिया और प्रतिभागियों से आगामी एनएटी और एनएएस परीक्षा के विषय में कुछ जानकारी साझा की। उन्होंने सभी को मिलकर काम करने का आह्वान किया। कार्यशाला में मंच संचालन एसआरजी पूनम शर्मा, देवनकुर, जिला समन्यवक अरविंद कुमार, रुचि त्यागी, राकेश एवं डायट मेन्टर पिंटू द्वारा किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से डायट वरिष्ठ प्रवक्ता शाहीन, निपुण सेल की टीम, जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी, डायट मेन्टर एआरपी, एसआरजी, जिला समान्यवक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा भावी विधायक।

संस्कार उजाला
गाज़ियाबाद (आशा चौधरी)

एवं जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान के नेतृत्व में ADM गंभीर ,DIO योगेंद्र प्रताप की अगुवाई में भाजपा परिवार के साथ Opulent mall PVR cine-masमें साबरमती फिल्म देखने पहुंचे। थे साबरमती फिल्म के दौरान रूबरू होने के लिए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा एमएलसी दिनेश गोयल, महापौर सुनीता दयाल, महामंत्री सुशील गौतम मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी बालकृष्ण गुप्ता अशोक भारतीय महिमा गुप्ता भीम शर्मा पार्षद पप्पू नागर, ओम दत्त कौशिक, मनोज गिरी, प्रतीक माथुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण महानगर पदाधिकारी मोर्चे प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष आदि प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदीप चौधरी महानगर मीडिया प्रभारी भाजपा।

हड़ताल में चैंबर खोलने वाले वकीलों और टाइपिस्टों पर एक्शन

गाजियाबाद । जिला जज कोर्ट में 29 अक्टूबर को वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बृहस्पतिवार को भी वकीलों का धरना जारी रहा। बार एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि शुक्रवार से सभी वकील अपना चैंबर बंद रखेंगे।चैंबर खुला पाए जाने पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। टाइपिस्ट बैठे मिलने पर दो हजार रुपये का जुमार्ना लगेगा। आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए 13 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई गई है। इसमें पूर्व बार अध्यक्ष और पूर्व बार सचिव शामिल हैं। बार एसोसिएशन ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। बार सचिव अमित नेहरा के मुताबिक कचहरी में आने वाले अधिवक्ता अपने चैंबर की बजाय धरने पर बैठें। उसके लिए चैंबर पूरी तरह से बंद रखना अनिवार्य किया गया है। चैंबर खुला पाए जाने पर अधिवक्ता पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। बार

एसोसिएशन द्वारा ऐसे अधिवक्ताओं की सदस्यता निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। कचहरी परिसर में में ठेले वाले, टाइपिस्ट और स्टांप वेंडर भी काम नहीं करेंगे। ऐसा करते पाए जाने पर दो हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। बृहस्पतिवार को बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव लाल बहादुर सिंह, लोकेश कुमार शर्मा, विनोद कुमार वर्मा, संतोष जाटव, विजय गौड़, परविंदर नागर और विश्वास त्यागी धरना स्थल पर क्रमिक अनशन पर बैठे। आंदोलन की रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी पूर्व अध्यक्ष राम अवतार गुप्ता, विजयपाल राठी ,राकेश त्यागी काकड़ा, अनिल पंडित ,मुनीश त्यागी, पूर्व सचिव अतुल्य शर्मा, विनोद वर्मा, नरेश चौधरी, सुंदर त्यागी, परविंदर नागर समेत वरिष्ठ अधिवक्ता औरंगजेब खान और जयवीर सिंह को सौंपी गई है। शनिवार को वकीलों की महापंचायत में कई जनपदों से आए बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी थी। बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक शर्मा के मुताबिक जिला जज पर कार्रवाई होने तक वकील उनकी कोर्ट में उपस्थित नहीं होंगे।हड़ताल करने वालों की मांग है कि एक सप्ताह में न्यायाधीश का निलंबन, ट्रांसफर या बर्खास्तगी नहीं हुई तो हर बुधवार को पूरे प्रदेश में हड़ताल रहा करेगी। बता दें वकीलों का कहना है कि लाठीचार्ज करने वाले पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही भी नहीं हुई है।

दिल्ली एनसीआर में पॉल्यूशन का कहर --डॉ बी पी त्यागी देंगे गरीब मरिजो को फ्री नाक ,कान व गले का इलाज।

संस्कार उजाला
गाज़ियाबाद (आशा चौधरी)

एनसीआर में डॉ बी पी त्यागी का बड़ा बयान पॉल्यूशन को लेकर डॉ बी पी त्यागी ने कहा कि एनसीआर में पॉल्यूशन ने तोड़े सारे रिकॉर्ड आपको बताते चलें पॉल्यूशन लेवल है वह अब 1600 के करीब है जो इंटरनेशनल मॉनिटर बता रहा है लेकिन जो भारत का मॉनिटर है वह 500 से ऊपर नहीं बता पता है इसलिए बताया जा रहा है कि 500 है लिमिट लेकिन एक्युअल लिमिट जो है वह 1600 है और उसके पार है यह एक मेडिकल इमरजेंसी है और इसमें पॉल्यूशन में जो एक कण होता है उसका नाम है 2.5 एमएम कण है वह हमारे नाक के रास्ते से फेफड़े की झिल्ली से पार होते हुए खून में मिल जाता है और 2.5 एमएम कण जो हमारी जितनी भी खून की नसे होती उन पर सूजन पैदा करता है उसके साथ कैल्शियम वहां डिपॉजिट हो जाता है तो उसे ब्रेन अटैक हो सकता है उसे हार्ट अटैक हो सकता है उसे लिवर खराब हो सकता है गुर्दे खराब हो सकते हैं उसे किसी भी अंग का कैंसर हो सकता है जैसे स्कैमस सेल कार्सिनोमा हो सकता है एडिनोकार्सिनोमा हो सकता है और स्क्रीन की सारी एलर्जी बालों की एलर्जी अस्थमा यह सब उसे होता है और अगर कोई अस्थमा का मरीज हो तो वह मल्टी ऑर्गन फैलियर में चला जाता है जो हमारी प्रेग्नेंट बहने हैं उन बच्चों में कंजेनाइटल डिफेक्ट होते हैं जैसे न्यूरल ट्यूबल डिफेक्ट होता है या हार्ट डिजीज होती है जो बूढ़े है और इम्यूनो कॉम्प्रोमाइज है उनको यह कण बहुत ही खतरनाक होता है उनकी जान ले सकता है जो हमारे बड़े पोधे है उनमें 18 गुना हार्मफुल इफेक्ट है उनकी पत्तियां पर एक सेंटीमीटर के करीब धूल मिट्टी जमा हो चुकी है तो उनकी जो अपनी नॉर्मल प्रक्रिया है फोटोसिंथेसिस कि वह नहीं हो पा रही है उसकी वजह से कार्बन डाइऑक्साइड अंदर नहीं जा रही है और वह ऑक्सीजन बाहर नहीं निकल पा रहे हैं एनवायरमेंट में ऑक्सीजन जो पहले 21% थी वह अब 6% रह गई है इसलिए भी सांस में लोगों को दिक्कत आ रही है अब यह जो मुद्दा पराली वाला उठाया है इन लोगों ने एक्शन में पराली वाला मुद्दा नहीं है दिल्ली के आसपास 16 के करीब कोयले के प्लाट है जिससे पॉल्यूशन बढ़ रहा हैऔर वह इस लेवल तक पहुंच रहा है कि लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है दूसरा कंस्ट्रक्शन वर्क हमेशा एनसीआर में चलता रहता है उनको नहीं रोका जाता है और ग्रैप फॉर जो इन्होंने स्टार्ट किया है उसको सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब तक हम इसको नहीं हटाएंगे तब तक लागू रहेगा इससे कुछ संभावना है कि शायद यहां के वातावरण में कुछ सुधार आए लेकिन तब तक के लिए डॉ बी पी त्यागी ने एडवाइजर सभी नागरिकों के लिए यह सलाह दी जाती है। कि सब मांस पहन के बाहर निकले मांस कपड़े का होना चाहिए लेयर होना चाहिए और गिला करके पहने तो बहुत अच्छा है एडेक्वेट पानी पिए अगर 60 किलो का आदमी है तो 3 लीटर कम से कम पानी पिए एक दिन में और हरी सब्जियां खूब खाएं जो एंटीऑक्सीडेंट का काम करती है और अच्छा तो यह है ,की बिना काम के बाहर न जाएं हो सके तो अंदर घर में रहे और अपने घर में भी एयर प्यूरीफायर लगाएं या ऐसे प्लांट लगाए जो हवा को साफ करते रहे लेकिन जो हमारे मजदूर भाई हैं बाहर काम करते हैं ढेली पटरी वाले हैं उनको यह सलाह दी जाती है कि आप सूती कपड़े पहने अपने शरीर को पूरे को कवर करें और मास्क जरूर पहनें अपने पास पानी की बोतल हमेशा रखें और अगर कोई भी परेशानी आती है तो मेडिकल एड ले उसमें कोई ऐसा ना सोचे कि मेडिकल ऐड नहीं मिलेगी मेडिकल एड मिल जाएगी अगर गवर्नमेंट में लेना चाहेंगे गवर्नमेंट में मिलेगी अगर नहीं लेना तो मिलती है गवर्नमेंट में तोहर्ष ईएनटी अस्पताल आ सकते हैं ।हम अपने अस्पताल में हर तरह की सुविधा देंगे ।

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में आई. ई. ई. ई. द्वारा आयोजित एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ए ई सी ई - 2024) पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22-23 नवंबर 2024 को किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ आर के यादव एवं डॉ अमित सिंघल ने बताया कि इस संगोष्ठी के लिए 1035 शोध पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से संगोष्ठी में 265 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा। चयनित शोध पत्र आई. ई. ई. ई. एक्सप्लोर में प्रकाशित होंगे।इस संगोष्ठी के लिए इंडोनेशिया, सऊदी अरब, फिलीपीन्स, उज्बेकिस्तान, टर्की, सिंगापुर, मलेशिया, तथा भारत के विभिन्न क्षेत्रों से शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से सम्मानित लोग व्याख्यान देंगे। संगोष्ठी में विभिन्न देशों की प्रतिष्ठित संस्थानों के आमंत्रित वक्त भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह महत्वपूर्ण संगोष्ठी शोधकताओं को नए उभरते हुए क्षेत्र में सक्रिय रूप से शामिल लोगों के साथ भविष्य की समस्याओं और उनके व्यावहारिक समाधान, वैज्ञानिक परिणाम और विषयों पर चर्चा करने और मिलने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम की प्रेस वार्ता में संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान, डायरेक्टर डॉ बी सी शर्मा, डीन ई आई आई डॉ पुनीत चंद्र श्रीवास्तव, डीन एक्रीडिटेशन डॉ रामेन्द्र सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर एच गर्ग, संयोजक डॉ आर के यादव (डीन एकेडमिक) एवं डॉ अमित सिंघल (एचओडी, सी एस ई), डॉ विपुल गोयल (हेड एच आर) मौजूद रहे।

डीसीपी से मिले लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर जताई नाराजगी

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के बिसाहडा कोल्ड स्टोरेज में सील मांस लैब रिपोर्ट में प्रतिबंधित पशु की पुष्टि के बाद लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ग्रेटर नोएडा पहुंचकर ग्रेटर नोएडा के डीसीपी साद मियां खान से मिले। इस दौरान उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि दादरी में कोल्ड स्टोर में मांस मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति की है। गोमांस की तस्करी में लखनऊ में बैठे दो बड़े अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोर में गोमांस की सप्लाई खाड़ी के देशों में नहीं बल्कि बड़े

स्तर पर एनसीआर में हो रही थी। उन्होंने प्रकरण को शाहीन बाग से भी जोड़ा। विधायक ने डीसीपी को सौंपी शिकायती पत्र उन्होंने कहा कि पता चला है कि शाहीनबाग से जुड़े कुछ लोग भी गोमांस की तस्करी में शामिल है, लेकिन पुलिस ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोपितों पर एनएसए की कार्रवाई कि संस्तुति किए जाने की भी मांग करते हुए डीसीपी को एक शिकायती पत्र भी सौंपा।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने अनुमोदन के प्रार्थना पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर तक बढ़ाईः डा.अतुल जैन

संस्कार उजाला
गाज़ियाबाद (आशा चौधरी)

उत्तर प्रदेश के 9 विधानसभा क्षेत्रों में और भारतवर्ष के कुछ अन्य राज्यों में 20 नवंबर 2024 को होने वाले चुनाव के दृष्टिगत टेक्निकल इंस्टीट्यूशंस फाउंडेशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव डॉ.अतुल कुमार जैन ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद को पत्र लिखकर निवेदन किया था कि 20 नवंबर को चुनाव होने वाले जनपदों में संस्थान,बैंक इत्यादि को बंद एवं अवकाश की घोषणा की गई है इसलिए 20 नवंबर की अंतिम तिथि को बढ़ाया जाए। उसी क्रम में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने अब अंतिम तिथि 23 नवंबर 2024 तक कर दी है जिसके लिए सभी संस्थानों की ओर से अध्यापकों और छात्रों की ओर से डॉ.अतुल कुमार जैन ने अखिल भारतीय तकनीकी परिषद के अध्यक्ष और सदस्य सचिव का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

प्रशासन के बुलडोजर को रोकने के लिए 500 ट्रैक्टर तैयार

मेरठ। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे के विरोध में किसान खड़खड़ी के जंगल में ठंड में धरने पर डटे हैं। धरने के 17 वे दिन किसानों के धरने को गांव कैलीके प्रधान पति बिजेन्द्र और कबटटा के प्रधान नरेश ने सर्मथन पत्र सौंपा। अब तक दस प्रधानों का किसानों को सर्मथन मिल चुका है। किसानों का दावा है कि प्रशासन अपनी रणनीति बना रहा है। चेतावनी देते हुए कहा कि प्रशासन के बुलडोजर को रोकने के लिए किसानों ने पांच सौ ट्रैक्टर तैयार कर लिए है। दावा

किया कि किसान अपनी जान दे देगे। लेकिन जमीन नहीं देगे। गांवों का मिल रहा समर्थन धरने को संबोधित करते हुए आयोजक मामचंद नागर ने कहा कि क्षेत्र के गांवों का लगताार समर्थन मिल रहा है। अब तक क्षेत्र के दस गांवों के प्रधान बिजौली, गोविंदपुरी, बधौली, कैली, पांची, धीरखेड़ा, कबटटा, छतरी, खड़खड़ी, अतराड़ा का सर्मथन किसानों को मिल चुका है। अन्य प्रधान सर्मथन देने के लिए तैयार हैकहा कि प्रशासन 300 हेक्टेयर जमीन छतरी खड़खड़ी और गोविंदपुरी की सस्ते दाम में लेने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि प्रशासन अपनी रणनीति बना रहा है। वही, किसानों ने अपनी रणनिति बना रखी है। प्रशासन के बुलडोजर को रोकने के लिए किसानों ने पांच सौ ट्रैक्टरों की तैयारी कर रखी है।कहा कि आने वाले समय में आसपास के किसानों की जमीन सस्ते दामों पर प्रशासन सरकार को गुमराह करके हड़पने की तैयारी कर रहा है। प्रेस प्रवक्ता कमल सिंह फौजी ने कहा कि प्रशासन को किसी भी कीमत पर किसान जमीन नहीं देगे। उन्होंने कहा कि धरती उनकी मां है। किसी भी कीमत पर वे उसे नहीं देगे। इस अवसर पर किसान नेता जगबीर सिंह, अशोक प्रधान, सत्येंद्र, दयाचंद कवित एडवोकेट, कर्मवीर पटवारी, राजकुमार, गोपीचंद, लीलू नागर, अर्जुन त्यागी, जयपाल, समेत आदि किसान थे ।

1979 बैच का फर्जी आईपीएस अधिकारी बनकर पुलिस को गुमराह करने वाला बुजुर्ग और साथी गिरफ्तार

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में दिल्ली निवासी एक वृद्ध का फजीर्वाड़ा सामने आया है। उसने खुद को मणिपुर कैडर का 1979 बैच का रिटायर्ड IPS अधिकारी और टल्एअ का सिक्योरिटी सलाहकार बताकर न सिर्फ पुलिस कमिश्नर और डीसीपी ट्रांस हिंडन से मुलाकात की और पुलिस अफसरों पर एक केस के सिलसिले में आरोपी ने पैरवी की। कहा मेरे बैचमेट डीजीपी भी रहे हैं पुलिस के मुताबिक इस फर्जी आईपीएस अधिकारी ने कहा कि सीबीआई व आईबी के

हेड मेरे बैचमेट भी रहे हैं। अलग -अलग राज्यों के पूर्व डीजीपी व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों अपना दोस्त बताकर अफसरों को गुमराह किया। बाद में जब गाजियाबाद कमिश्नरेट के अफसरों को संदेह हुआ तो पता चला कि इस नाम के कोई पूर्व आईपीएस नहीं रहे। फजीर्वाड़ा सामने आने पर DCP ट्रांस हिंडन के पीआरओ ने साहिबाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अब पुलिस फर्जी आईपीएस को तलाश रही DCP ट्रांस हिंडन के पीआरओ नीरज राठौर का कहना है कि 14 नवम्बर शाम 4:39 बजे मेरे सीयूजी नंबर पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने अपना परिचय वर्ष 1979 बैच के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी अनिल कटियाल के रूप में दिया। यह भी कहा मणिपुर में डीजी रैंक पर रहा हूं। वर्तमान में वह एमएचए में सिक्योरिटी सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं दे रहा हूं। अनिल कटियाल ने इंदिरापुरम थाने में दर्ज एक धोखाधड़ी के केस के आरोपी विनोद कपूर की पैरवी करते हुए जांच अधिकारी प्रमोद हुड्डा पर विवेचना में अनियमितता बरतने के आरोप लगाए। यह भी बताया कि गाजियाबाद में पुलिस के उच्च अधिकारी इसे गाड़ी तक छोड़ने भी आए। अब पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011